mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-81 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 मार्च 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

तीन साल से नाबालिग लड़कियों का शोषण कर रहा था पार्षद का बेटा, 25 से 30 बच्चियों को बनाया अपना शिकार

पणजी, एजेंसी। दक्षिण गोवा पुलिस ने सोमवार सुबह 20 वर्षीय सोहम सुशांत नाइक को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी 25 से 30 नाबालिग लड़कियों से जुड़े एक कथित यौन कांड को लेकर जनता के भारी विरोध के बाद की गई। मादेगल-काकोरा निवासी और भाजपा के कुर्चोरिम नगर निगम पार्षद के बेटे नाइक को तब हिरासत में लिया गया, जब नागरिकों और स्थानीय नेताओं की भीड़ ने पुलिस स्टेशन के सामने धरना प्रदर्शन किया।

जांच से पिछले तीन वर्षों में हुए दुर्व्यवहार का एक भयावह सिलसिला सामने आया है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा पार्षद के बेटे ने कथित तौर पर कई नाबालिगों के साथ यौन संबंध बनाए। इन घटनाओं को फिल्माया और बाद में पीड़ितों को चुप कराने के लिए उस फुटेज का इस्तेमाल किया।

मामला कब सामने आया?

यह मामला पिछले सप्ताह तब सामने आया जब सोहम सुशांत नाइक ने कथित तौर पर एक सामाजिक समारोह में अपने साथियों को पीड़ितों के आपत्तिजनक वीडियो दिखाकर अपने कृत्यों के बारे में शेखी मारी। दक्षिण गोवा में यौन शोषण की रिकॉर्डिंग की अफवाहें फैलते ही स्थानीय तनाव चरम पर पहुंच गया। हालांकि, इससे पहले दक्षिण गोवा में पिछले कुछ दिनों से इस मामले पर चर्चा हो रही थी। स्थानीय नागरिक रविवार रात को कुडचाडे पुलिस स्टेशन पर इकट्ठा हुए और कार्रवाई की मांग की क्योंकि यह मामला एक स्थानीय भाजपा पार्षद से जुड़ा हुआ था।

गुरुग्राम में चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म मामले में अदालत सख्त, हरियाणा के DGP से जवाब मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। शीर्ष अदालत ने सीबीआई- स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच कराए जाने की मांग वाली याचिका पर हरियाणा सरकार और राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त (सीपी) और मामले की जांच कर रहे अधिकारी (आईओ) को मामले के सभी रिकॉर्ड के साथ 25 मार्च को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

शंकराचार्य 2.18 लाख सैनिकों की चतुरंगिणी सेना बनाएंगे

काशी में कहा- सेना गाय, धर्म-शास्त्र और मंदिर की रक्षा करेगी; पहले रोकेगी, टोकेगी फिर ठोकेगी

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को चतुरंगिणी सेना बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा- चतुरंगिणी सेना में 2 लाख 18 हजार 700 सैनिक होंगे। इसमें देशभर से लोग भर्ती होंगे।

उन्होंने बताया- यह सेना गोरक्षा, धर्म रक्षा, शास्त्र रक्षा और मंदिर रक्षा का कार्य करेगी। उनकी ड्रेस पीली होगी। हाथ में परशु (फरसा) होगा। अविमुक्तेश्वरानंद ने चतुरंगिणी सेना बनाने के लिए श्रीशंकराचार्य चतुरंगिणी सभा का गठन किया है। इसमें 27 सदस्य होंगे। इसका अध्यक्ष वे खुद होंगे।शंकराचार्य ने अपनी सेना के काम करने के तरीके बताए।

उन्होंने कहा- पहले टोको, यानी टोकेंगे। कहो कि यह गलत हो रहा है। नहीं माने तो रोको। भाई, आपको रुकना पड़ेगा। नहीं तो फिर ठोको। ठोको का मतलब सीधे प्रहार करना नहीं है। मुकदमा करना, शिकायत करना और पंचायत करना भी ठोको में आएगा। ये सभी संवैधानिक तरीके अपनाते हुए काम करेंगी।

शंकराचार्य बोले- एक टीम में 10 लोग होंगे शंकराचार्य ने कहा- 1 पत्ती (टीम) में 10 लोग होंगे। 21 हजार 870 टीमें बनेंगी तो सेना तैयार हो जाएगी। भारत में अभी करीब 800 जिले हैं। अगर हर जिले में 27 टीमें, यानी 270 लोग तैयार हो गए, तो 2 लाख 16 हजार लोग तैयार हो जाएंगे। 'धार्मिक परिसर में उसी धर्म के लोग जाएं, जिसे वे मानते हैं' उत्तराखंड के बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के मामले में शंकराचार्य ने कहा- मक्का-मदीना में 40 किलोमीटर पहले ही दूसरे धर्म के लोगों को रोक दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट जज बोले: ज्यूडिशियरी हद से ज्यादा सख्त हो रही

इसलिए लोग जेलों में सड़ रहे; यह विकसित भारत का आदर्श नहीं हो सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि ज्यूडिशियरी के कुछ हिस्से 'मोर लॉयल देन द किंग सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं। यानी ये हिस्से राजा से भी ज्यादा वफादार होने की प्रवृत्ति अपना चुके हैं। इसके कारण ही लोग महीनों तक जेलों में सड़ते रहते हैं। जस्टिस भुइयां ने यह बात रविवार को बेंगलुरु में हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की पहली नेशनल समिट के दौरान कही।

'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा- कुछ मामलों में सिस्टम इतना ज्यादा सख्त हो रहा है कि जरूरत से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं।

बार एंड बेंच की एक खबर के मुताबिक जस्टिस भुइयां ने सरकार और न्यायपालिका के संबंधों, PMLA, UAPA कानूनों के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर भी अपनी बात रखी।

उन्होंने विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया एक्टिविटी जैसे छोटे मुद्दों पर मनमाने ढंग से क्रिमिनल केस दर्ज किए जाने की निंदा की।

UAPA और PMLA एक्ट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल उनकी वैल्यू घटा रहा

अपनी स्पीच के दौरान जस्टिस भुइयां ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) जैसे कानूनों के तहत आरोपियों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा- PMLA प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, ऐसे मामलों से निपटने का एक बड़ा साधन है, लेकिन कानून का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इसके असर को कमजोर करता है।

वहीं, UAPA को लेकर कहा कि जब दोषसिद्धि की दर लगभग 5% से भी कम है, तो आरोपी को सालों तक जेल में क्यों रखा जाए।

जस्टिस भुइयां ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े कुछ विवादों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट को स्ट्रक्चर बनानी पड़ी हैं, जिससे सिर्फ समय की बर्बादी हुई है।

दावा- सीजफायर के लिए ईरान की 3 और शर्तें

कहा: ईरान विरोधी पत्रकारों पर कार्रवाई हो, पहले मुआवजा और हमला न करने की गारंटी मांगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का आज 24वां दिन हैं। ईरान ने सीजफायर के लिए 3 नई शर्तें रखीं हैं। ईरान के एक बड़े अधिकारी ने लेबनानी मीडिया अल मयादीन से रविवार को कहा कि उनका देश पहले से तय योजना के हिसाब से काम कर रहा है। इन तीन नई शर्तों में पहली इलाके में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बंद किया जाए, दूसरी होर्मुज स्ट्रेट के लिए नए नियम बनाए जाएं और तीसरी ईरान के खिलाफ माने जाने वाले मीडिया से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जाए और उनका प्रत्यर्पण किया जाए।

जबकि इससे पहले ईरान कहा था कि सीजफायर के लिए भविष्य में दोबारा युद्ध न होने की गारंटी दी जाए, नुकसान का मुआवजा दिया जाए और पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध खत्म किए जाएं।

ईरानी अधिकारी का कहना है कि उनका देश तब तक कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक दुश्मनों को सबक नहीं सिखा देता।

ईरान जंग ग्लोबल से अर्थव्यवस्था पर बड़ा खतरा : इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के प्रमुख फा तिह बिरोल ने ईरान जंग को दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कैनबरा में कहा कि अभी का हाल बहुत खराब है। यह ऐसा है जैसे एक साथ कई तेल और गैस का संकट एक साथ चल रहा है।

उन्होंने साफ कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे, तो दुनिया का कोई भी देश इससे बच नहीं पाएगा। इस लड़ाई में कई तेल और गैस से जुड़े ठिकानों पर हमले हुए हैं, जिससे सप्लाई पर असर पड़ा है।

ईरान ने इजराइली शहरों पर क्लस्टर बम दागे, तेहरान पर जवाबी हमला: ईरान ने रविवार रात इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत कई शहरों पर क्लस्टर बम दागे। इस हमले में करीब 15 लोग घायल हुए, जिनमें एक की हालत गंभीर है। कई घरों और सड़कों को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद इजराइल ने भी सोमवार को ईरान की राजधानी तेहरान में मिसाइल हमले किए। इस बीच, अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजराइल तब तक अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक ईरान को 'घुटनों पर' नहीं ला दिया जाता। इजराइल अब ऐसे देश के साथ नहीं रह सकता, जो उस पर लगातार हमले कर रहा है।दूसरी तरफ ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि किसी भी हमले का जवाब मैदान में दिया जाएगा। अगर ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया, तो वह होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर सकता है, जिससे वैश्विक तेल सप्लाई पर बड़ा असर पड़ेगा।

पश्चिम एशिया संकट पर मोदी बोले- तनाव खत्म होना चाहिए:

हमारी कोशिश देश में तेल-गैस संकट न हो

27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे

बोले- नागरिकों पर हमला नामंजूर, होर्मुज का रास्ता रोकना स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है। पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा।

पीएम ने कहा- 'सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।'

उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं।

सरकार अलग अलग देशों के सप्लायर्स से संपर्क में है। प्रयास है जहां से संभव हो वहां से सप्लाई होती रहे। तेल गैस फर्टिलाइजर से जुड़े जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचे, इसके लिए सहयोगियों से संवाद कर रहे हैं।

हमारी कोशिश है कि तेल-गैस संकट न हो : भारत में बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, फर्टिलाइजर जैसी जरूरी चीजें होर्मुज से आती हैं। युद्ध के बाद से ही यहां से जहाजों का आना जाना बाधित हुआ है। हमारी कोशिश रही है कि तेल-गैस का संकट न हो।

हम सभी जानते हैं देश अपनी जरूरत की 60 प्रतिशत LPG प्रोडक्शन करता है। हमने देश में इसके उत्पादन को बढ़ावा दिया है। पेट्रोल डीजल की स्पलाई सुचारू होती रहे इस पर भी काम जारी है।

बीते एक दशक में इस पर उठाए गए कदम और भी प्रासंगिक हो गए हैं। हमने एनर्जी इंपोर्ट का डायवर्जन किया है। पहले 27 देशों से इंपोर्ट किया जाता था अब 41 देश हो गए हैं।

मोदी बोले- 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं, दुर्भाग्य से कुछ लोगों की मौत हुई और कुछ घायल हुए हैं। उनके परिवारों से बात की जा रही है। मदद पहुंचाई जा रही है। वहां रहने वाले भारतीयों को हमारे मिशन जरूरी मदद पहुंचा रहे हैं।

हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है

खेती पर क्या असर होगा इस सवाल पर कहना है कि हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है। आपात स्थिति से निबटने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं। उस वक्त भी ग्लोबल सप्लाई चेन में कमी आई थी। भारत के किसानों को यूरिया की एक बोरी 300 रुपए से भी कम कीमत में दिलाई गई। किसानों को ऐसे संकटों से बचाने कई कदम उठाए गए है। 6 यूरिया प्लांट बनाए गए हैं। इतना ही नहीं तेल गैस के आयात को भी डाइवर्सिफाई किया गया है। सरकार ने देश के किसानों को मेड इन इंडिया नेनो यूरिया का विकल्प दिया है। प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहन दिया है।

एनर्जी आज इकोनॉमी की रीढ़ है

हम जानते हैं एनर्जी आज इकोनॉमी की रीढ़ है। ग्लोबल नीड को पूरा करने वाला सोर्स वेस्ट एशिया है। भारत पर इस युद्ध से उत्पन्न दुष्प्रभाव का असर कम हो इसके लिए एक रणनीति से काम कर रहे हैं। जहां भी जरूरत है उस सेक्टर को जरूरी सपोर्ट दिया जा रहा है। भारत सरकार ने एक ग्रुप बनाया है जो हर रोज मिलता है जो आयात-निर्यात में आने वाली दिक्कतों पर निरंतर काम करता है।

राघव चड्ढा ने डेली डेटा लिमिट का मुद्दा उठाया

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने ट्वीट किया- टेलीकॉम कंपनियां 'डेली डेटा लिमिट' वाले रिचार्ज प्लान देती हैं, जैसे हर दिन 1.5GB, 2GB या उससे ज्यादा। जो हर 24 घंटे में रीसेट हो जाते हैं। कोई भी बचा हुआ डेटा आधी रात को खत्म हो जाता है, भले ही उसके लिए पूरा पेमेंट किया गया हो। आपको 2GB का बिल दिया जाता है। आप 1.5GB इस्तेमाल करते हैं। बचा हुआ 0.5GB डेटा दिन खत्म होते ही गायब हो जाता है। कोई रिफंड नहीं। कोई रोलओवर नहीं। बस खत्म। यह कोई गलती नहीं है। यह एक पॉलिसी है। इसे बेवजह इस्तेमाल करो या आधी रात तक इसे खो दो। आज मोबाइल डेटा इसी तरह काम करता है। मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया - जिस डेटा के लिए हमने पेमेंट किया है, उसे क्यों जब्त किया जाना चाहिए? बचा हुआ डेटा अगले साइकिल में आगे बढ़ना चाहिए, ताकि ग्राहक उस डेटा का इस्तेमाल कर सकें जिसके लिए उन्होंने पहले ही पेमेंट कर दिया है।

शाह बोले- रंधावा सुसाइड जांच सीबीआई को दे दूंगा

पंजाब के सांसद लिखकर दें; मोबाइल लेने आई पुलिस को लौटाया, खुदकुशी का वीडियो सामने आया

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के मंत्री लालजीत भुल्लर पर आरोप लगा सुसाइड करने वाले वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा (45) का तीसरे दिन भी पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ। उनकी लाश अमृतसर के अस्पताल में रखी गई है। आज ष्टक्करविंदर पाल सिंह टीम के साथ मृतक के परिजन से ष्टरूका मोबाइल फोन लेने गए। कहा कि उसमें कुछ सबूत हो सकते हैं। हालांकि, परिजन ने अधिकारी को बिना मोबाइल दिए लौटा दिया और कहा कि पहले आरोपी को पकड़ो। अब इस मामले की जांच CBI को सौंपी जा सकती है। सोमवार को कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया। जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह CBI को जांच दे देंगे। शाह ने लोकसभा में कहा- यह पंजाब राज्य का मामला है। पंजाब के सारे सांसदों से मेरा निवेदन है कि मुझे लिखकर दे दें, मैं केस CBI को ट्रांसफर कर दूंगा। पंजाब की बात करें तो 13 में से 7 सांसद कांग्रेस, 3 AAP, 2 निर्दलीय और एक अकाली दल का है। AAP के छोड़ दें तो कांग्रेस और अकाली दल पहले से परिवार के समर्थन में है। सांसद अमृतपाल असम जेल में हैं, जबकि सरबजीत सिंह का इस मामले में अभी कोई बयान नहीं आया है।

ईरान की धमकी-फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछा देंगे

● तटीय इलाकों पर हमला बर्दाश्त नहीं; होर्मुज स्ट्रेट यहीं मौजूद

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का आज 24वां दिन है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके तटीय इलाकों या आइलैंड पर हमला किया गया, तो वो फारस क खाड़ी के समुद्री रास्तों पर बारूदी सुरंगें (माइन) बिछा देगा।

ईरान की नेशनल डिफेंस काउंसिल ने कहा कि इस रास्ते से गुजरने के लिए देशों को ईरान के साथ बातचीत करनी होगी। दुनिया की अहम शिपिंग रूट होर्मुज स्ट्रेट यहीं मौजूद है, जहां से दुनिया के 20% तेल का ट्रांसपोर्ट होता है।

ट्रम्प ने दो दिन पहले ईरान को धमकी दी थी कि अगर 48 घंटे में होर्मुज रूट नहीं खोला गया तो वो ईरान के पावर प्लांट पर बड़ा हमला करेंगे। इस धमकी की

दावा- सीजफायर के लिए ईरान की 3 और शर्तें

ईरान ने सीजफायर के लिए 3 नई शर्तें रखीं हैं। ईरान के एक बड़े अधिकारी ने लेबनानी मीडिया अल मयादीन से रविवार को कहा कि उनका देश पहले से तय योजना के हिसाब से काम कर रहा है।

ईरान की तीन नई शर्त-

- इलाके में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बंद किया जाए,
- होर्मुज स्ट्रेट के लिए नए नियम बनाए जाएं और
- ईरान के खिलाफ माने जाने वाले मीडिया से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जाए और उनका प्रत्यर्पण किया जाए।

जबकि इससे पहले ईरान कहा था कि सीजफायर के लिए भविष्य में दोबारा युद्ध न होने की गारंटी दी जाए, नुकसान का मुआवजा दिया जाए और पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध खत्म किए जाएं। ईरानी अधिकारी का कहना है कि उनका देश तब तक कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक दुश्मनों को सबक नहीं सिखा देता।

कांग्रेस का BRICS + समिट को लेकर पीएम से सवाल

पूछा- पश्चिम एशिया संकट पर समिट आगे क्यों नहीं बढ़ा रहे 'विश्वगुरु'

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि वेस्ट एशिया संकट से निपटने के लिए BRICS+ समिट को आगे क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा। पार्टी का आरोप है कि मोदी अमेरिका और इजराइल को नाराज नहीं करना चाहते।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने X पोस्ट में कहा- भारत इस साल नई दिल्ली में 18वीं BRICS+ समिट की मेजबानी करने वाला है। ऐसे में सरकार को वेस्ट एशिया संकट पर कूटनीतिक पहल के लिए इस मंच का इस्तेमाल करना चाहिए। खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले प्रधानमंत्री इस दिशा में पहल क्यों नहीं कर रहे हैं।

रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को नाराज नहीं करना चाहते। केवल फोन कॉल के जरिए बातचीत की सीमाएं होती हैं, जबकि समिट के जरिए ठोस फैसले और आमने-सामने बातचीत ज्यादा प्रभावी हो सकती है।

स्वामिनारायण अक्षरधाम में सजी फूलों की होली

महंतस्वामी महाराज के सान्निध्य में अनूठा उत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वामिनारायण अक्षरधाम में इन दिनों आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था के वर्तमान अध्यक्ष और विश्ववंदनीय संत ब्रह्मस्वरूप महंतस्वामी महाराज के सान्निध्य में रविवार शाम को भक्ति और उल्लास के साथ फूलों की होली का उत्सव मनाया गया। स्वामीश्री के दिल्ली आगमन पर शनिवार शाम एक भव्य स्वागत सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में पूर्वांचल, उत्तराखण्ड और पंजाब की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। बालवृंद, युवा और वरिष्ठ हरिभक्तों ने पारंपरिक नृत्य और गीतों के माध्यम से स्वामीश्री का भावपूर्ण स्वागत किया। रविवार की सुबह प्रातः पूजा के दौरान महंतस्वामी महाराज ने हरियाणा के पंचकूला और कुरुक्षेत्र में नवनिर्मित स्वामिनारायण मंदिरों में प्रतिष्ठित होने वाली मूर्तियों का विधि-विधान से पूजन किया। इस अवसर पर पंचकूला और कुरुक्षेत्र से आए भक्त मौजूद रहे और उन्होंने इन शहरों को यह नई भेंट देने के लिए स्वामीश्री के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। रविवार शाम 6:00 बजे 'फूलों की होली' उत्सव का शुभारंभ संतों और युवाओं द्वारा प्रस्तुत दिव्य कीर्तनों और भगवान की धुन के साथ हुआ। संस्था के वरिष्ठ संत पूज्य विवेकसागर दास स्वामी ने इस अवसर पर प्रासंगिक उद्बोधन देते हुए बताया कि इस उत्सव का वास्तविक अर्थ स्वयं को भगवान की भक्ति के रंग में रंगना है। ब्रह्मस्वरूप महंतस्वामी महाराज ने अक्षरपुरुषोत्तम महाराज का पूजन कर, ठाकुर जी के चरणों में पुष्प अर्पित किए। इसके पश्चात वरिष्ठ संतों ने कलात्मक पुष्पहार भेंट देकर स्वामीश्री का अभिवादन किया और उन पर फूल बरसाए जिससे सम्पूर्ण वातावरण स्नेह और दिव्यता से भर गया। इस विशेष आयोजन में शामिल होने के लिए राजकोट, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और हरियाणा के हरिभक्त भी दिल्ली पहुँचे। स्वयंसेवकों के समर्पण, संतों के कुशल प्रबंधन और स्वामीश्री के आशीर्वाद से यह आयोजन भव्यता से संपन्न हुआ।

विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़े जेल सुधार, 'प्रोजेक्ट सेकेंड चांस' में पूर्व कैदियों ने सुनाई अपनी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में टर्न योर कंसर्न इन टू एक्शन फाउंडेशन की टीम की ओर से आयोजित 'प्रोजेक्ट सेकेंड चांस' इंडिया प्रिजन वायसेस प्रदर्शनी के माध्यम से जेल सुधारों से संबंधित एक नई कहानी पेश की गई। जिसमें विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन को जेल सुधारों से जोड़ते हुए इस मंच पर नीति निर्माताओं, न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्यों और पूर्व कैदियों ने एक सुर में जेलों को सजा के केंद्र के बजाय सुधार, गरिमा और अवसर के केंद्र के रूप में परिभाषित किया। इस दौरान स्टोरीज फ्रॉम द बैरक्स और ह्यूमन लाइब्रेरी सत्रों में पूर्व कैदियों ने अपनी आपबीती भी साझा की। जहां 12 साल जेल में बिताने वाले अबुल हाशिम ने बताया कि कैसे असम की जेलों में उनकी ओर से विकसित 'बागवानी इकाई' स्वर्ग के समान थी। वहीं, तिहाड़ जेल में 3,454 दिन बिताने वाले विष्णु ने कला के माध्यम से अपने जीवन को बदलने की कहानी सुनाई, जो यह साबित करती है कि सही अवसर मिलने पर सलाखों के पीछे भी व्यक्तित्व परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न राज्यों के जेल विभागों ने अपने मॉडलों को साझा करते हुए महाराष्ट्र जेल प्रशासन ने पूर्व कैदियों द्वारा संचालित रेस्टोरेंट पहल को सफलता की पहल बताई। वहीं उत्तराखंड जेल प्रशासन ने जेलों के भीतर स्कूलों की स्थापना और लैंगिक-संवेदनशील सुधारों के बारे में बताया। टीवाईसीआईए के सह-संस्थापक मोहित राज ने बताया कि 'प्रोजेक्ट सेकेंड चांस को पांच मुख्य विषयों और 20 उप-विषयों में विभाजित किया गया है, ताकि हर हितधारक अपनी भूमिका को स्पष्ट रूप से समझ सके।

दक्षिणी दिल्ली के किशनगढ़ में बदहाल सड़कों और सीवर से हादसे की आशंका, जल्द समाधान की मांग

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के महरौली स्थित किशनगढ़ में खस्ताहाल सड़कों और जगह-जगह टूटे सीवर के ढक्कन लोगों के लिए परेशानी बने हुए हैं। स्थानीय लोगों को डर है कि इन क्षतिग्रस्त ढक्कनों के कारण कभी भी हादसा हो सकता है। सड़क से गुजरते राहगीरों, बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति जोखिम भरी बनी हुई है। इसे लेकर संबंधित विभागों और जन प्रतिनिधियों को कई बार शिकायत देकर समाधान दिलाने की मांग की जा चुकी है। इसके बावजूद लेकिन समाधान नहीं हो रहा है। महरौली वार्ड नंबर-2 में लंबे समय से अंदरूनी सड़कों की हालत बदहाल है। टूटी हुई नालियों के चलते गंदा पानी सड़कों पर बहता है, जिससे लोगों को आने-जाने में खासी परेशान उठानी पड़ती है। इसके अलावा अंदरूनी सड़कों पर कई जगहों पर सीवर के ढक्कन टूटे हुए हैं या झुके हुए हैं, जोकि कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। लोगों की मांग है कि जल्द सड़कों और क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत हो और सीवर के टूटे ढक्कन बदले जाएं, जिससे लोगों को राहत मिल सके। इंटरनेट मीडिया पर भी समाधान की मांगस्थानीय निवासी मोहित बताते हैं कि सड़कों की हालत लंबे समय से बदहाल है और नालियां भी टूटी हुई हैं। कई जगहों से सीवर के ढक्कन टूटे हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बहता है और हादसे की आशंका भी बनी हुई है। दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड और जन प्रतिनिधियों से कई शिकायतें कर चुके हैं पर समाधान नहीं हुआ। विकास का कहना है कि सड़कों से गुजरना मुश्किल हो चुका है। स्कूल जाते बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी होती है।

आग से 9 लोगों की जान बचाने में फेल स्काइलिफ्ट अब तक खराब, द्वारका में अब अग्नि से सुरक्षा उधार के भरोसे

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को साधनगर राम चौक मार्केट में लगी आग में, जिसमें नौ लोगों की जान गई थी, बचाव कार्य के दौरान जिस स्काइलिफ्ट दमकल ने धोखा दिया था, उसे अभी तक दुरुस्त नहीं किया गया है। यह स्काइलिफ्ट अभी भी द्वारका सेक्टर-6 स्थित अग्निशमन केंद्र में मरम्मत के इंतजार में खड़ी है। इसे कब दुरुस्त किया जाएगा और यह कब मुसीबत के समय जान-माल की हिफाजत के काबिल होगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। द्वारका सहित आसपास के पूरे इलाके के लिए उपलब्ध इस एकमात्र स्काइलिफ्ट के खराब होने के कारण बहुमंजिली इमारतों में आग लगने की स्थिति में क्षेत्र की सुरक्षा फिलहाल उधार के भरोसे है। साधनगर की उस घटना को आज भी दमकलकर्मी याद करते हैं, जब बचाव कार्य के दौरान ऐन मौके पर इस स्काइलिफ्ट ने जवाब दे दिया था। उस वक्त मजबूरन कनाट प्लेस स्थित अग्निशमन केंद्र से दूसरी स्काइलिफ्ट मशीन मंगानी पड़ी थी। जब तक वह मशीन मौके पर पहुंची, तब तक आग अपना तांडव खेल चुकी थी। उस दिन घटनास्थल से 'फेल' होकर लौटने के बाद से यह स्काइलिफ्ट सेक्टर-6 के अग्निशमन केंद्र में ही खड़ी है। केंद्र के कर्मचारियों को भी यह जानकारी नहीं है कि यह कब तक ठीक होगी या इसके स्पेयर पार्ट्स कब आएंगे।

बहुमंजिला इमारतों के बीच खतरे का साया : द्वारका का भौगोलिक स्वरूप इसे बेहद संवेदनशील बनाता है। यहां सैकड़ों की संख्या में 10 से 15 मंजिला रिहायशी सोसायटियां और बड़े कमर्शियल कॉम्प्लेक्स हैं। नियम के अनुसार इतनी ऊंची इमारतों वाले क्षेत्र के लिए एक क्रियाशील स्काइलिफ्ट का होना अनिवार्य है, ताकि आपात स्थिति में ऊपरी मंजिलों तक सीधी पहुंच बनाई जा सके। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि द्वारका के पास अपना कोई 'कवच' नहीं है। यदि आज भी द्वारका या आसपास के इलाकों में किसी ऊंची इमारत में आग लगती है, तो विभाग को फिर से कनॉट प्लेस या अन्य दूरस्थ केंद्रों की ओर देखना पड़ेगा।

नाम न छापने की शर्त पर दमकलकर्मी कहते हैं कि क्या प्रशासन किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। दिल्ली के भारी ट्रैफिक के बीच कनॉट प्लेस से द्वारका तक हाइड्रोलिक मशीन पहुंचने में जो समय बर्बाद होगा, वही किसी की जान बचाने और गंवाने के बीच का अंतर तय कर सकता है। पालम में हम लोग इस अंतर के जानलेवा परिणाम को देख भी चुके हैं, लेकिन फिर भी कुछ नहीं हो रहा, जो बेहद अफसोस की बात है। करोड़ों रुपये की इस मशीन का खराब पड़ा होना सरकारी धन की बर्बादी और जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ है।

करोड़ों की मशीन, फिर भी महीनों से खराब : विशेषज्ञों के अनुसार एक आधुनिक स्काइलिफ्ट की कीमत पांच से 10 करोड़ रुपये के बीच होती है। इतनी महंगी मशीन का महीनों तक खराब पड़ा होना न केवल सरकारी धन की बर्बादी है, बल्कि जनता की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। यह मशीन विदेशी तकनीक (फिनलैंड) पर आधारित होती है, जिसके रखरखाव के लिए विशेष बजट और तकनीकी टीम की जरूरत होती है, जो फिलहाल नदारद दिखती है। जब तक यह स्काइलिफ्ट दुरुस्त नहीं होती, द्वारका की आसमान छूती इमारतों में रहने वाले लोगों के लिए अग्नि सुरक्षा महज एक कागजी शब्द बनकर रह गई है।

नजफगढ़ में 11.50 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ, बुनियादी ढांचे को मिलेगा बढ़ावा

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। नजफगढ़ वार्ड के विकास के लिए आयोजित कार्यक्रम में 11 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत वाली विभिन्न जनहितकारी परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत, निगम में शिक्षा समिति के डिप्टी चेयरमैन अमित खरखड़ी, पूर्व विधायक अजीत खरखड़ी सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गोपाल नगर में एमडी रोड व पीपल वाली गली का निर्माण, मित्रांऊ व झड़ौदा गांवों में गलियों और नालियों के आधुनीकिकरण कार्य का शुभारंभ किया गया। क्षेत्र की सुरक्षा और सुदंरता के लिए 28 हाइमास्ट लाइटें, 800 नई स्ट्रीट लाइटें और 2 टायलेट ब्लाकों का उद्घाटन हुआ। साथ ही, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाते हुए छह ओपन जिम और पांच पार्कों के निर्माण कार्य का भी उदघाटन किया गया। क्षेत्रीय निगम पार्षद अमित खरखड़ी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह विकास केवल कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर दिखने वाला परिवर्तन है। उन्होंने भविष्य का खाका खींचते हुए कहा कि नजफगढ़ में जल्द ही क्षेत्र का पहला एसी कम्युनिटी सेंटर बनाया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पांच हाई-टेक एसी लाइब्रेरी खुलेंगी। ऐतिहासिक दिल्ली गेट का धरोहर के रूप में पुनर्विकास होगा। अपनी संस्कृति को सहेजने के लिए दिल्ली देहात संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं सांसद कमलजीत सहरावत ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली देहात में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र से ही आम जनता का जीवन सुगम बनता है। नजफगढ़ आने वाले समय में विकास का एक माडल बनकर उभरेगा। कार्यक्रम के अंत में पूर्व विधायक अजीत खरखड़ी ने सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने नजफगढ़ को और अधिक स्वच्छ और आधुनिक बनाने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर नजफगढ़ जोन चेयरमैन सविता शर्मा, डिप्टी जोन चेयरमैन देवेंद्र डबास सहित कई व्यक्ति मौजूद रहे।

छह केजी चांदी के साथ दबोचे गए चार बदमाश, कीमती सामान भी बरामद

दिल्ली पुलिस ने किया गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हौज खास में एक घर में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर प्रसाद नगर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 6.350 किलोग्राम चोरी की चांदी, तांबा व अन्य सामान बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपी पीतमपुरा के मोहम्मद नसीम, पालम के शेख सरफराज, मोहम्मद कादिर और दिलशाद हैं। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के अनुसार, बीती 20 मार्च को प्रसाद नगर थाना की पेट्रोलिंग टीम बापा नगर क्षेत्र में गश्त कर रही थी। टीम जब करोल बाग में सीपीडब्ल्यूडी खंडहर के पास पहुंची तो दो बैग लेकर जा रहे चार व्यक्ति संदिग्ध लगे। वह पुलिस को देखकर भागने लगे। इसके बाद पुलिस ने उनका पीछा कर चारों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से चांदी, तांबा और कांसे के आभूषण, बर्तन, सिक्के और धार्मिक वस्तुएं बरामद हुईं। वहीं, पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने बरामद सामान हौज खास क्षेत्र से चोरी किया था। इस संबंध में बीती 18 मार्च को हौज खास थाने में मामला दर्ज किया गया था।

पूर्व पीएम इमरान खान का जेल से सख्त संदेश: कहा- आत्मा बेच चुके जजों को शर्म आनी चाहिए; बेटे कासिम ने क्या बताया?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर पिछले कई दिनों से चिंता जताई जा रही थी। इसी बीच इमरान खान के बेटे कासिम खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में उनसे मुलाकात की। मुलाकात के बाद कासिम ने सोशल मीडिया पर अपने पिता का एक संदेश सोशल मीडिया पर साझा किया। इस संदेश में इमरान खान ने पाकिस्तान की न्यायपालिका और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इमरान खान ने अपने बेटे से भेजे संदेश में कहा, देश के जजों को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायपालिका अपनी आत्मा बेच चुकी है और उन्हें देश की एकता की कोई परवाह नहीं है। इमरान के मुताबिक, जब विरोधी उन्हें मानसिक रूप से नहीं तोड़ पाए, तो उन्होंने उनकी पत्नी बुशरा बीबी को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने बुशरा बीबी के साथ हो रहे व्यवहार को अमानवीय और इस्लाम के खिलाफ बताया। इमरान ने कहा कि यह सब उन्हें ब्लैकमेल करने की एक साजिश है। इमरान खान ने जेल की मुश्किलों का जिक्र करते हुए बताया कि बेटों से 30 मिनट की मुलाकात के बदले उन्हें 24 घंटे अकेले (आइसोलेशन) रहना पड़ता है। उन्होंने जजों को गद्दार बताते हुए कहा कि जिन पर समाज के न्याय की जिम्मेदारी थी, वे ही धोखा दे रहे हैं। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। बता दें कि इमरान खान के दोनों बेटे सुलेमान और कासिम लंदन में रहते हैं।

उन्होंने पहले दावा किया था कि उनके पिता की दाहिनी आंख की रोशनी बहुत कम हो गई है और जेल प्रशासन इलाज में लापरवाही बरत रहा है।

युद्ध की कीमत वसूलने की तैयारी में ईरान, होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर लगाएगा करोड़ों रुपये की फीस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट गहराता दिख रहा है। अब ईरान ने वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर एक तय शुल्क लगाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह शुल्क 20 लाख डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपये) होगा। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य अलाएद्दीन बोरोजेर्दी ने बताया कि यह शुल्क लागू किया जा चुका है।

अलाएद्दीन बोरोजेर्दी ने बताया कि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर फीस लगाने का फैसला एक नए संप्रभु शासन की स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'जलडमरूमध्य पार करने वाले कुछ जहाजों से आवाजाही शुल्क के रूप में 20 लाख डॉलर वसूलना ईरान की ताकत को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'युद्ध की एक कीमत होती है इसलिए स्वभाविक रूप से हमें ऐसा करना पड़ेगा।' बोरोजेर्दी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद सामने आई है, जिसमें ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से खोलने को कहा है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान ने ऐसा नहीं किया तो वे ईरान के पावर प्लांट को निशाना बनाएंगे। ईरान के राष्ट्रपति ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि होर्मुज का रास्ता ईरान के दुश्मनों को छोड़कर बाकी सभी के लिए खुला है।

युद्ध के बीच ट्रंप-नेतन्याहू से बोले पहलवी: ईरान इस्लामी गणराज्य नहीं, मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके इस्राइल-यूएस

तेहरान, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईरान इस्लामिक गणराज्य नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में मौजूदा शासन को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से एक खास अपील की।

उन्होंने कहा कि वे केवल शासन और दमन करने वाले तंत्र को ही निशाना बनाएं। उन्होंने अनुरोध किया कि आम जनता की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचाया जाए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में पहलवी ने लिखा कि ईरान का बुनियादी ढांचा वहां के लोगों का है। यह आजाद ईरान के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा इस्लामी गणराज्य का ढांचा दमन और आतंक का वह तंत्र है जिसका इस्तेमाल उस भविष्य को साकार होने से रोकने के लिए किया जाता है। ईरान की रक्षा की जानी चाहिए। इस शासन को उखाड़ फेंकना होगा। पहलवी ने आगे कहा मैं राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री नेतन्याहू से आग्रह करता हूं कि वे शासन और उसके दमनकारी तंत्र को निशाना बनाना जारी रखें, जबकि ईरानियों को अपने देश के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक नागरिक ढांचे को बख्श दें। अमेरिका और इस्राइल के समर्थन से, और सबसे बढ़कर ईरानी देशभक्तों के बलिदान से, ईरान की स्वतंत्रता का समय निकट है। इसी बीच, खाड़ी देश कुवैत ने भी मिसाइल और ड्रोन हमलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अल जजीरा के अनुसार, कुवैत की सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि वहां सुनाई दे रहे धमाकों की आवाजें मिसाइलों को हवा में नष्ट करने की वजह से आ रही हैं। सेना ने आम लोगों से अपील की है कि वे अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

दूसरी तरफ, इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी है। इस्राइली सेना ने बताया कि उनके सैनिकों ने वहां एक टैंक रोधी मिसाइल पोस्ट और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। सेना ने सोशल मीडिया पर इन हथियारों की तस्वीरें भी साझा की हैं।

यूएई पर भी जारी हैं हमले : ईरान की तरफ से हुए मिसाइल हमलों के बाद इस्राइल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की खबरें मिली हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, कई जगहों पर यह मलबा गिरा है।

उड़ान के दौरान महिला की मौत: 13 घंटे शव के साथ यात्रा को मजबूर हुए यात्री

लंदन, एजेंसी। हांगकांग से लंदन जा रहे ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में रविवार को एक महिला यात्री की मौत हो गई। उसकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। महिला के शव को विमान के पीछे हिस्से में रख दिया गया जहां की फर्श गर्म थी। 13 घंटे से अधिक की उड़ान में शव से बदबू आने लगी। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन पायलट ने आपात लैंडिंग कराने के बजाय यात्रा जारी रखी। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए32 के हांगकांग से उड़ान भरने के एक घंटे बाद ही महिला यात्री की मौत हो गई। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एयरबस ए350-1000 में चालक दल के सदस्यों के साथ 331 यात्री सवार थे। महिला की मौत के बावजूद पायलटों ने मार्ग बदलने या हांगकांग लौटने के बजाय हीथ्रो हवाईअड्डे तक यात्रा जारी रखने का फैसला किया।

सेवा भावना का संदेश

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में एनएसएस साप्ताहिक शिविर का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ गोद ग्राम नौगवा धीर सिंह में किया गया यह शिविर प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह के साथ स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर

विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है इससे युवा समाज के प्रति अपने दायित्व को समझते हैं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं शासकीय उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय पनवार की प्राचार्य प्रतिभा भार्गव ने स्वागत उद्बोधन देते हुए शिविर के सफल संचालन हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। विभिन्न गतिविधियों का होगा आयोजन कार्यक्रम के दौरान भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद त्रिपाठी ने अपने अनुभव साझा किए वहीं एनएसएस पुरुष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की यह शिविर 29 मार्च 2026 तक संचालित होगा, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण, जागरूकता रैली, बौद्धिक मंथन एवं अन्य सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के अंत में महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गंगा देवी बैरागी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया शिविर में एनएसएस के स्वयंसेवक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं जिससे यह आयोजन सेवा, समर्पण और सामाजिक जागरूकता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

छात्रावास प्रवेश 2026-27 ऑनलाइन शिक्षा विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को डिजिटल किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत लोक शिक्षण संचालनालय के अधीन संचालित कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी छात्रावासों में नए अकादमिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने दिए निर्देश: जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने सभी संबंधित प्राचार्यों एवं वार्डनों को निर्देशित किया है कि वे लोक शिक्षण द्वारा निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह सुनिश्चित करें। सहायक संचालक ओशो उत्सव को प्रवेश प्रक्रिया के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं।

छात्रावास और प्रवेश तिथियां: एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में बालक और बालिका मॉडल स्कूल (खजुरी) में बालक, तथा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल टमसार, टिकरी, कन्या रामपुर नैकिन, सेमरिया और अमिलिया के बालिका छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया का प्रथम चरण 17 मार्च से 28 मार्च 2026 के बीच पूर्ण किया जाएगा।

कक्षा 10वीं से 11वीं का प्रावधिक प्रवेश: उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं के छात्र कक्षा 11वीं में प्रावधिक प्रवेश भी ले सकेंगे प्रवेश के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे विद्यार्थी स्वयं आवेदन कर सकते हैं और उसकी प्रति संबंधित वार्डन को प्रस्तुत करेंगे, जिस पर वार्डन द्वारा पावती जारी की जाएगी।

ऑनलाइन आवेदन और मेरिट सूची: छात्रावास प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में जानकारी भरकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। वार्डन द्वारा प्राप्त सभी आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर प्रविष्ट किए जाएंगे। इसके बाद ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के आधार पर सॉफ्टवेयर के माध्यम से रिक्त सीटों का मेरिट क्रम अनुसार आवंटन किया जाएगा।

पुलिस बोली- पत्नी की हत्या का पति ने स्टेटस लगाया, ढूंढकर लाने वाले को इनाम की घोषणा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पुलिस ने जंगल में मिली महिला की लाश के मामले में खुलासा कर दिया है पुलिस के मुताबिक महिला की हत्या उसी के पति ने की है पुलिस के मुताबिक जहरुद्दीन अंसारी (32) अपनी पत्नी समीना खातून (30) को घुमाने के बहाने जंगल ले गया था। यहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए इसके बाद उसी की साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी सोशल मीडिया पर स्टेटस डाला कि पत्नी लापता हो गई है तलाश करने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा जिले के बरगवां थाना क्षेत्र की है पुलिस ने आरोपी पति जहरुद्दीन अंसारी (32) को गिरफ्तार कर लिया है पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने दो शादी की हैं पुलिस ने 21 मार्च को आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। बरगवां एसडीओपी गौरव पांडे से बात कर मामले को समझा एसडीओपी गौरव पांडे ने बताया कि 17 मार्च को पिडरवाह-चितरवई के जंगल में महिला का शव मिला था। जांच के दौरान पास ही पर्चियां मिली थीं इसमें एक पर्ची अस्पताल की थी इसमें महिला का नाम समीना खातून पति जहरुद्दीन निवासी कसर गांव दर्ज था इसके अलावा, बैंक पासबुक इश्यू करने के लिए भी आवेदन भी मिला उसमें भी यही नाम लिखा था। नाम और पते के आधार पर पुलिस ने एक टीम कसर गांव भेजी यहां एक मकान में नजमा नाम की महिला मिली पूछताछ की तो उसने बताया कि समीना उसकी बड़ी बहन है वह बैढ़न में रहती है लेकिन कई दिन से बातचीत

नहीं हुई है फोन लगाते हैं तो जहरुद्दीन रिसीव करते हैं पुलिन ने नजमा को घटनास्थल पर बुलाया उसने कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान समीना खातून के रूप में की शव पूरी तरह डी-कंपोज हो गया था।उसे पोस्टमॉर्टम के लिए रीवा मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। नजमा से जहरुद्दीन का नंबर लेकर पुलिस ने उसे कॉल कर पूरी घटना बताई। जहरुद्दीन ने आधे में एक घंटे में आने की बात कही लेकिन वह 4 घंटे बाद आया यहीं से पुलिस को उस पर शक हुआ शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई समीना की कॉल डिटेल निकाली तो पता चला कि जहरुद्दीन ने पत्नी का कॉल अपने मोबाइल पर डायवर्ट कर रखा था इससे शक गहरा गया शव चार से पांच दिन पुराना लग रहा था21 मार्च को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

फायर सेफ्टी पर सख्ती :24 घंटे अलर्ट रहेगी फायर ब्रिगेड नियम तोड़ने पर होगी कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गर्मी का मौसम शुरू होते ही आगजनी की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है कलेक्टर प्रतिभा पाल ने फायर सेफ्टी को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं उन्होंने स्पष्ट किया है कि नगर निगम रीवा की फायर ब्रिगेड टीम 24 घंटे पूरी तरह तैनात रहेगी और किसी भी आगजनी की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचना अनिवार्य होगा चाहे घटना शहरी क्षेत्र की हो या ग्रामीण इलाके की कलेक्टर ने कहा कि सभी शासकीय एवं निजी भवनों, संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और बड़े परिसरों में फायर सेफ्टी के मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए इसके लिए पूर्व में एक समय-सीमा निर्धारित की गई थी जिसके भीतर सभी को अपने फायर सेफ्टी प्लान और सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त करना अनिवार्य है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि तय समय सीमा के बाद यदि किसी भी भवन में फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित संचालकों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी कलेक्टर प्रतिभा पाल ने आमजन से भी अपील की है।

दिव्यांग, वृद्धजन और विधवाओं को इंदिरा गांधी पेंशन योजना का लाभ

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगों, पात्र वृद्धजनों और विधवा महिलाओ को पेंशन योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निरूशक्त पेंशन योजना के तहत मध्यप्रदेश के मूल निवासी और 18 से 79 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांगजन जिनमें 80 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता हो को प्रति माह 600 रुपए पेंशन दी जाती है लाभ लेने के लिए आवेदक का नाम समग्र पोर्टल में दर्ज होना आवश्यक है। आवेदन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत या नगरीय निकाय में किया जा सकता है। आवश्यक दस्तावेजों में दिव्यांग प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की प्रथम प्रति और पासपोर्ट आकार के तीन फोटो शामिल हैं। पेंशन का भुगतान बैंक खाते के माध्यम से प्रतिमाह किया जाता है इसके अलावा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के मध्यप्रदेश मूल निवासी व्यक्तियों को भी प्रतिमाह 600 रुपए की पेंशन दी जाती है। पात्र होने के लिए आवेदक का परिवार गरीबी रेखा के नीचे होना आवश्यक है आवेदन प्रक्रिया और दस्तावेज़ वही हैं जो दिव्यांगजन योजना में लागू हैं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अंतर्गत 40 से 79 वर्ष आयु की बीपीएल परिवार की विधवा महिलाएं प्रतिमाह 600 रुपए की पेंशन प्राप्त करती हैं। इसके लिए भी आवेदन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत या नगरीय निकाय में किया जा सकता है।

भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान

सेमरिया मंडल में 24 घंटे का प्रशिक्षण शुरू, विचारधारा पर जोर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत मंडल स्तर पर 24 घंटे के प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में मंडल के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बसामन मामा गौ अभ्यारण में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलन एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कभी भी अपनी विचारधारा और कार्यपद्धति से समझौता नहीं किया उन्होंने कहा कि देश की राजनीति में बहुत कम ऐसे दल हैं जिनकी स्पष्ट विचारधारा रही है भाजपा ने हमेशा संगठन और सिद्धांतों को प्राथमिकता दी है इसी कारण आज

पार्टी देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है साथ ही उन्होंने जनसंघ काल से जुड़े संकल्पों-धारा 370 हटाने राम मंदिर निर्माण और तीन तलाक पर प्रतिबंध-का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने अपने मूल उद्देश्यों से कभी समझौता नहीं किया वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्ष 1985 में भाजपा केवल दो सीटों तक सीमित रह गई थी लेकिन उस समय भी पार्टी ने अपनी विचारधारा नहीं छोड़ी निरंतर प्रशिक्षण और संगठनात्मक मजबूती के बल पर आज भाजपा देश की अग्रणी शक्ति बनी है प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम गीत के साथ हुई और समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, 'मन की बात' कार्यक्रम तथा बूथ प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं शाहपुर मंडल प्रशिक्षण वर्ग के समापन अवसर पर भाजपा नेता योगेंद्र शुक्ला ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता का मूल स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने का है।

अनुसूचित जाति महिलाओं के लिए सावित्रीबाई फुले योजना से आर्थिक सशक्तिकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में अन्त्यावसायी सहकारी समिति ने अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए सावित्रीबाई फुले स्वसहायता समूह योजना लागू की है जिसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता का अवसर प्रदान करना है मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम.पी. पाठक ने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक सदस्य को अधिकतम 2 लाख रुपए तक ऋण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही भारत सरकार की विशेष केन्द्रीय सहायता के तहत प्रति हितग्राही को समय-समय पर 10 हजार रुपए का अनुदान भी दिया जाता है योजना का लाभ लेने के लिए महिलाएं 18 से 55 वर्ष के आयु वर्ग की होनी चाहिए। इसके अलावा, शहरी क्षेत्रों में वार्षिक आय 55 हजार रुपए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 40 हजार रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। हितग्राही का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है इस योजना के तहत महिला स्वसहायता समूहों को लघु एवं कुटीर उद्योग, पशुपालन, हस्तशिल्प जैसे पारंपरिक व्यवसायों में स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण और वित्त पोषण की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना में सफाई कर्मचारी, दिव्यांग और कल्याणी महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है। योजना का लाभ उठाने के इच्छुक महिलाएं जिला अन्त्यावसायी सहकारी समिति कार्यालय, कलेक्ट्रेट, रीवा से संपर्क कर आवेदन कर सकती हैं।

12 हाथियों का झुंड गांव में घुसा, ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़े बजाकर जंगल की ओर खदेड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में पोड़ी रेंज के आगरझिरिया बीट स्थित ग्राम करूहा में रविवार रात करीब 10 बजे हाथियों का एक झुंड घुस आया लगभग 12 हाथियों के इस झुंड ने खेतों में जमकर उत्पात मचाया जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। इस घटना में आठ किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। विशेष रूप से दीपक यादव और मथुरा यादव के लगभग चार खेतों में लगी एक एकड़ गेहूं की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई हाथियों ने फसलों को रौंदने के साथ-साथ सिंचाई के लिए लगाए गए मोटर पाइपों को भी तोड़ दिया जिससे किसानों को दोहरा नुकसान झेलना पड़ा हाथियों के झुंड ने सिंचाई के लिए लगाए गए मोटर पाइपों को भी तोड़ दिया ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़े बजाकर हाथियों को खदेड़ा हाथियों के गांव में घुसने की सूचना मिलते ही गांव के रमेश मिश्रा और वीरबल मिश्रा सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़े बजाकर और शोर मचाकर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा इसके बाद गांव वालों ने राहत की सांस ली वन विभाग की टीम को घटना की जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के डीएफओ राजेश कन्ना टी ने बताया कि इस इलाके में हाथियों की आवाजाही बनी रहती है और टीम लगातार निगरानी कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने और हाथियों के करीब न जाने की अपील की है साथ ही किसी भी स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचित करने को कहा है

जल दिवस पर महाविद्यालय में कार्यशाला जल संरक्षण पर विशेषज्ञों का जोर, सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में विश्व जल दिवस के अवसर पर भूगर्भ शास्त्र विभाग द्वारा एक प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और जल संकट के समाधान हेतु ठोस पहल पर मंथन करना रहा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. रघुराज किशोर तिवारी, विशिष्ट अतिथि चेतना मिश्रा तथा अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी ने कहा कि जल संरक्षण केवल आवश्यकता नहीं बल्कि हम सभी

का सामूहिक दायित्व है उन्होंने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ है, लेकिन आज वही जल स्रोत गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं उन्होंने बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण, अनियोजित शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन को जल संकट का प्रमुख कारण बताया साथ ही जल प्रदूषण, भूजल का अत्यधिक दोहन, असमान वर्षा और जलवायु परिवर्तन को भी इस समस्या को बढ़ाने वाला बताया। मुख्य अतिथि प्रो. रघुराज किशोर तिवारी ने जल संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि इसके समाधान के लिए जनभागीदारी अनिवार्य है उन्होंने वर्षा जल संचयन, जल पुन उपयोग, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों को अपनाने पर जोर दिया विशिष्ट अतिथि चेतना मिश्रा ने जल संरक्षण में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने में मातृशक्ति की अहम भूमिका होती है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की इस कार्यशाला ने न केवल जल संकट के प्रति जागरूकता बढ़ाई बल्कि लोगों को इसके समाधान के लिए प्रेरित भी किया कार्यक्रम में डॉ. डीपी शुक्ला, डॉ. संतोष अग्निहोत्री, डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव, डॉ. विनीता कश्यप, डॉ. केशरकली तिवारी, डॉ. अनीता सिंह तिवारी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. नीलम पाण्डेय द्वारा किया गया, जबकि संयोजक डॉ. संदीप कुमार शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिना अनुमति नहीं हो सकेगी नलकूप खुदाई,जरुरत पड़ने पर निजी जलस्त्रोत भी कब्जे में लेगा प्रशासन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बढ़ते जल संकट को देखते हुए कलेक्टर ने सख्त फैसला लेते हुए पूरे जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया है आदेश 18 मार्च 2026 से लागू हो गया है और 15 जुलाई 2026 या बारिश शुरू होने तक प्रभावी रहेगा इस साल कम बारिश और लगातार भू-जल दोहन के कारण नलकूपों और अन्य जल स्रोतों का जल स्तर तेजी से गिरा है जिससे पेयजल संकट की स्थिति बनने लगी है प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अब बिना अनुमति कहीं भी नया नलकूप नहीं खोदा जा सकेगा जल का उपयोग केवल पेयजल और घरेलू जरूरतों के लिए ही किया जा सकेगा निजी जमीन पर बोरिंग कराने के लिए भी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से अनुमति लेना जरूरी होगा अगर किसी क्षेत्र में सार्वजनिक जल स्रोत सूख जाते हैं तो प्रशासन जरूरत पड़ने पर निजी जल स्रोतों का अधिग्रहण भी कर सकेगा आदेश का उल्लंघन करने वालों पर म.प्र. पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई की जाएगी पूरे मामले में नगर निगम, पंचायत, पुलिस और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पश्चिम एशिया में 'एनर्जी वॉर', तेल-गैस ठिकानों पर हमले से हिला ग्लोबल मार्केट; मंडराया मंदी का खतरा

संपादकीय

ईरान में शुरू हुआ संघर्ष अब एनर्जी वॉर में बदल गया है, जहां दोनों पक्ष तेल और गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रहे हैं। हमलों से वैश्विक ऊर्जा बाजार हिल गया और तेल-गैस की कीमतें तेजी से बढ़ीं। सप्लाई बाधित होने से दुनिया में मंदी का खतरा बढ़ा है।

ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के नाम पर जो लड़ाई शुरू हुई थी, वह अब एनर्जी वॉर में बदल चुकी है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के ऑयल-गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने पर तुले हैं। इस जंग ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट को हिलाकर रख दिया है। गैस और तेल के दाम यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर हैं। इससे दुनिया के मंदी में फंसने का डर सता रहा है।

पार्स पर निशाना । इस्राइल ने पहले साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमला किया था। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कतर और सऊदी अरब के तेल-गैस ठिकानों पर अटैक किए। साउथ पार्स दुनिया का सबसे बड़ा नैचुरल गैस रिजर्व है, जो कतर तक फैला है। ईरान की घरेलू ऊर्जा जरूरत यहीं से पूरी होती है। इससे पहले अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर हमला किया था, जहां से ईरान का 90% तेल आयात होता है।

चढ़ते दाम । गैस फील्ड पर हमलों के बाद यूरोप में एक ही दिन में नैचुरल गैस की कीमतों में 30% का उछाल आया। वहीं क्रूड ऑयल 114 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से इसमें करीब 60% की तेजी आ चुकी है। भारत की बात करें, तो देश पहले ही LPG को लेकर मुश्किलों का सामना कर रहा है। ऐसे में कतर के Ras Laffan LNG टर्मिनल पर अटैक से उसकी चिंताएं बढ़ेंगी। भारत अपनी जरूरत की लगभग आधी नैचुरल गैस कतर से ही खरीदता है।

लंबा नुकसान । यह लड़ाई जिस ढंग से आगे बढ़ रही है, पूरे पश्चिम एशिया के लंबे वक्त तक अस्थिर रहने का खतरा खड़ा हो गया है। इस इलाके के देशों की आय का सबसे बड़ा जरिया पेट्रोलियम है। इनके प्रॉडक्शन और सप्लाई चेन में गड़बड़ी आने पर उसे दोबारा सामान्य करने में समय लगेगा। खाड़ी देश लगभग एक तिहाई तेल और 18% नैचुरल गैस की आपूर्ति करते हैं। इसके बिना बाकी दुनिया का भी काम नहीं चल सकता। आपसी मतभेद । अमेरिका और इस्राइल चाहते हैं कि ईरान की जनता आगे बढ़कर मौजूदा सत्ता को बेदखल कर दे। लेकिन, जिस तरह से वे ईरान के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर रहे हैं, उससे सवाल उठता है कि अगर रेजीम बदलती है, तो भी वह मलबे का ढेर बन चुके देश को कैसे संभालेगी? डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें पार्स गैस फील्ड पर हमले की जानकारी नहीं थी। ऐसा लगता है कि कुछ बातों को लेकर अमेरिका और इस्राइल में भी मतभेद हैं।

(विचार मंथन) अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

सनत जैन

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला करके, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह ख़ामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है। पहली बार अमेरिका सारी दुनिया के सामने शर्मिंदा है। अमेरिका बार-बार सीज फायर के संकेत दे रहा है। अभी तक की लड़ाई में ना तो अमेरिका जीता है, ना ही ईरान हार रहा है। ऐसी स्थिति में युद्ध पर विराम या पूर्ण विराम कब लगेगा। इसको लेकर सारी दुनिया चिंतित है। वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है। अमेरिका युद्ध विराम घोषित करे। जो प्रतिबंध ईरान के ऊपर लगा रखे हैं उन्हें समाप्त करे। ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। अमेरिका युद्ध विराम में तभी सफल हो सकता है, जब वह ईरान की शर्तों पर बात करने को तैयार होगा।

रेडिएशन का खतरा- कैंसर,जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति -समग्र विश्लेषण परमाणु ठिकानों पर हमले- रणनीतिक दबाव या खतरनाक जुआ? -युद्ध का बदलता स्वरूप और बढ़ती आशंकाएँ परमाणु ठिकानों पर हमले, रेडिएशन का खतरा, ऊर्जा युद्ध और महाशक्तियों की भागीदारी, ये सभी संकेत एक बड़े संकट की ओर इशारा करते हैं, जिसे संवाद से हल करना जरूरी वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब पारंपरिक सैन्य टकराव की सीमाओं को पार कर एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है,जहां परमाणु ठिकाने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध का केंद्र बनते जा रहे हैं ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाया है,बल्कि वैश्विक स्तर पर एक बड़े परमाणु संकट की आशंका भी उत्पन्न कर दी है।

परमाणु छाया में सुलगता पश्चिम एशिया- ईरान- इजरायल - अमेरिका टकराव

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

हालिया घटनाओं में जिस तरह परमाणु संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को निशाना बनाया जा रहा है, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दुनियाँ एक और परमाणु आपदा के मुहाने पर खड़ी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि युद्ध के 23वें दिन तक आते- आते संघर्ष की प्रकृति में स्पष्ट बदलाव दिखाई देने लगा है।पहले जहां सैन्य ठिकानों,सीमावर्ती क्षेत्रों और रणनीतिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा रहा था, वहीं अब परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले शुरू हो गए हैं। इजरायल द्वारा ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर की गई एयरस्ट्राइक इस दिशा में एक निर्णायक कदम थी। नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का केंद्र है, जहां यूरेनियम संवर्धनका कार्य होता है।इसके जवाब में ईरान ने इजरायल के डिमोना परमाणु केंद्र के आसपास मिसाइल हमले किए। यह केंद्र इजरायल की परमाणु क्षमता का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। इस प्रकार दोनों पक्षों द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाना केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक खतरनाक जुआ है, जिसके परिणाम दूरगामी और विनाशकारी हो सकते हैं।रेडिएशन का बढ़ता खतराः मानवता के लिए अदृश्य दुश्मन है,परमाणु संयंत्रों पर हमले का सबसे बड़ा खतरा केवल विस्फोट नहीं,बल्कि रेडिएशन लीक है।परमाणु संयंत्रों में यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसे अत्यधिक रेडियोधर्मी तत्व मौजूद होते हैं। यदि किसी हमले में इनका रिसाव होता है, तो उसका प्रभाव केवल तत्काल क्षेत्र तकसीमित नहीं रहता, बल्कि हवा, पानी और मिट्टी के माध्यम से हजारों किलोमीटर तक फैल सकता है।रेडिएशन के प्रभाव बेहद गंभीर होते हैं,कैंसर, जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति। चेरनोबिल दुर्घटना और फुकुशिमा परमाणु दुर्घटना इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, जिनके प्रभाव आज भी महसूस किए जा रहे हैं। यदि पश्चिम एशिया में इसी प्रकार की कोई घटना घटती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानें (आईएईए) की भूमिका और ताजा स्थिति को समझने की करें तो इन बढ़ती आशंकाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। एजेंसी ने हाल ही में डिमोना क्षेत्र में हुए हमले के बाद स्पष्ट किया कि नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी प्रकार की क्षति के संकेत नहीं मिले हैं और विकिरण स्तर सामान्य हैं। यह राहत की खबर जरूर है, लेकिन यह स्थिति अस्थायी भी हो सकती है, क्योंकि युद्ध अभी जारी है और किसी भी समय हालात बदल सकते हैं।आईएईए लगातार क्षेत्रीय देशों के साथ संपर्क में है और रेडिएशन स्तर की निगरानी कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल निगरानी पर्याप्त है, या वैश्विक समुदाय को इस संकट को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे?

साथियों बात अगर हम डिमोना और नतांजः क्यों हैं इतने महत्वपूर्ण? इसको समझने की करें तो डिमोना और नतांज केवल दो परमाणु केंद्र नहीं हैं,बल्कि ये दोनों देशों की सामरिक शक्ति के प्रतीक हैं। डिमोना, जिसे दुनिया के सबसे सुरक्षित परमाणु स्थलों में गिना जाता है, इजरायल की कथित परमाणु हथियार क्षमता का आधार है। यहां अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, जैसे आयरन डोम और एरो मिसाइल सिस्टम तैनात हैं। वहीं नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का हृदय है, जहां सैकड़ों सेंट्रीफ्यूज यूरेनियम को समृद्ध करने का कार्य करते हैं। इन दोनों ठिकानों पर हमला केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि विरोधी देश की रणनीतिक क्षमता को कमजोर करने का प्रयास है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की भूमिका और बढ़ता दबाव इसको समझने की करें तो इस संघर्ष में अमेरिका की भूमिका भी बेहद अहम है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दिया गया 48 घंटे का अल्टीमेटम स्थिति को और अधिक गंभीर बना देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाएगा। यह चेतावनी केवल सैन्य धमकी नहीं बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दबाव का भी हिस्सा है।होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, और इसके बंद होने से विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ईरान ने भी जवाब में अमेरिकी और इजरायली ऊर्जा तथा आईटी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की चेतावनी दी है, जिससे साइबर और ऊर्जा युद्ध की संभावना भी बढ़ गई है।यदि यह संघर्ष और बढ़ता है, तो इसका सबसे बड़ा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया दुनिया के तेल और गैस का प्रमुख स्रोत है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने या अस्थिर होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है, जिससे वैश्विक महंगाई और आर्थिक मंदी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, औद्योगिक लागत में बढ़ोतरी और आर्थिक विकास दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम युद्ध का मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव को समझने की करें तो परमाणु खतरे के बीच जीना केवल भौतिक संकट नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक दबाव भी है। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोग लगातार भय, असुरक्षा और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। बच्चों और युवाओं पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे एक पूरी पीढ़ी मानसिक आघात का शिकार हो सकती है।इसके अलावा, यदि रेडिएशन का खतरा वास्तविकता में बदलता है, तो बड़े पैमाने पर विस्थापन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे शरणार्थी संकट और भी गहरा जाएगा।

साथियों बात अगर हम क्या यह परमाणु युद्ध की ओर बढ़ता कदम है? इसको समझने की करें तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह संघर्ष परमाणु युद्ध में बदल सकता है? वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि खतरा वास्तविक है। हालांकि अभी तक किसी भी देश ने परमाणु हथियारों के उपयोग का संकेत नहीं दिया है, लेकिन परमाणु ठिकानों पर हमले इस दिशा में एक खतरनाक संकेत हैं।इतिहास गवाह है कि जब युद्ध नियंत्रण से बाहर हो जाता है, तो परिणाम विनाशकारी होते हैं।यदि कूटनीतिक प्रयास विफल होते हैं, तो यह संघर्ष एक ऐसे बिंदु पर पहुंच सकता है, जहां से वापसी संभव नहीं होगी।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी को समझने की करें तो इस संकट के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। संयुक्त राष्ट्र,आईएईए और अन्य वैश्विक संस्थाओं को मिलकर युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान की दिशा में काम करना होगा।महाशक्तियों को भी यह समझना होगा कि यह केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा का प्रश्न है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो इसका परिणाम पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दुनियाँ,पश्चिम एशिया में चल रहा यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक संकट का रूप ले चुका है।परमाणु ठिकानों पर हमले,रेडिएशन का खतरा, ऊर्जा युद्ध और महाशक्तियों की भागीदारी ये सभी संकेत एक बड़े संकट की ओर इशारा करते हैं।हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर नहीं हुई है, लेकिन यदि जल्द ही कूटनीतिक समाधान नहीं निकाला गया,तो यह संघर्ष एक ऐसे बिंदु पर पहुंच सकता है, जहां से वापसी असंभव हो जाएगी।दुनियाँ आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह शांति और सहयोग का मार्ग अपनाएगी या विनाश और संघर्ष का। यह केवल ईरान, इजरायल या अमेरिका का सवाल नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य का प्रश्न है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

विश्व जल दिवस के अवसर पर सहभागिता से समाधान की ओर बढ़ता भारत

जल और लैंगिक समानता का जीवंत संवाद विश्व जल दिवस के अवसर पर सहभागिता से समाधान की ओर बढ़ता भारत का एक मनोरम दृश्य नई दिल्ली के विश्व युवक केन्द्र में आयोजित की गई ।आज का कार्यक्रम केवल औपचारिकता का निर्वाह नहीं था,बल्कि यह एक ऐसा अवसर बनकर उभरा,जहाँ जल संकट और लैंगिक समानता के प्रश्न को गहराई से समझने,महसूस करने और समाधान की दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का प्रयास किया गया।

विनोद कुमार सिंह

युएनओपीएस(ह्हक्क्र)द्वारा 'जल और लैंगिक समानता' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में नीति,प्रशासन,मानवाधिकार और जमीनी अनुभवों का ऐसा संगम देखने को मिला,जिसने इस विमर्श को जीवंत और प्रभावी बना दिया।आज के कार्यक्रम में मुख्य आयोजक विनोद मिश्रा,युएनओपी एस के कान्ट्री मैनेजर,मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राज भूषण चौधरी केन्द्रीय राज्य मंत्री जल शक्ति मंत्री भारत सरकार तथा विशिष्ट अतिथि भरत लाल की उपस्थिति ने इस आयोजन को गरिमा प्रदान की।आज के मंचीय वक्तव्यों तक सीमित नहीं रही। यह संवाद, सहभागिता और प्रशिक्षण के माध्यम से एक व्यापक सामाजिक संदेश देने में सफल रहा।जल संकट के संदर्भ में जब लैंगिक समानता की बात होती है,तो यह विषय केवल नीतिगत विमर्श नहीं रह जाता, बल्कि यह जीवन की कठोर सच्चाइयों से जुड़ जाता है।अपने उद्बोधन में भरत लाल ने जिस स्पष्टता से इस सच्चाई को सामने रखा,उन्होंने बताया कि देश में लगभग साठ प्रतिशत जल की व्यवस्था महिलाएँ ही करती हैं और इस कार्य में उनका प्रतिदिन लगभग एक घंटा व्यतीत होता है।यह केवल समय का व्यय नहीं,बल्कि उनके जीवन के अवसरों का क्षरण है।उन्होंने अपने प्रशासनिक अनुभवों को साझा करते हुए गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों का उदाहरण दिया,जहाँ जल समितियों का गठन करते समय पचास प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई।इस पहल ने न केवल जल प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया,बल्कि महिलाओं के भीतर आत्म विश्वास और नेतृत्व की भावना को भी मजबूत किया।उनके अनुभवों से यह स्पष्ट हुआ कि जब महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में स्थान मिलता है,तो योजनाएँ केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर सफल होती हैं।आज के मुख्य अतिथि डॉ. राज भूषण चौधरी ने अपने संबोधन में सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश के हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुँचाने का लक्ष्य केवल विकास का प्रतीक नहीं,बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है।उन्होंने सरकारी आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि देश के करोड़ों परिवारों तक नल से जल पहुँच चुका है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है।उन्होंने कहा किजब घर तक जल पहुँचता है,तो महिलाओं को पानी लाने के श्रम से मुक्ति मिलती है,जिससे उनके जीवन में शिक्षा,स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खुलते हैं।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार जल प्रबंधन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्राम स्तर पर जल समितियों में उनकी भूमिका को सशक्त किया जा रहा है।आज के कार्यक्रम का जीवंत हिस्सा रहा समूह चर्चा,जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपने अनुभव,समस्याएँ और समाधान साझा किए।यह चर्चा किसी औपचारिक संवाद की तरह नहीं थी,बल्कि एक खुला मंच था जहाँ जमीनी सच्चाइयाँ सामने आई।ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने बताया कि किस प्रकार पानी की कमी का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है।वहीं कुछ प्रतिभागियों ने यह भी साझा किया कि जहाँ महिलाओं को जल प्रबंधन में शामिल किया गया,वहाँ स्थितियाँ बेहतर हुई हैं।इस समूह चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि जल संकट का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं,बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक चेतना से ही संभव है।यह भी सामने आया कि जब तक समाज के भीतर महिलाओं को बराबरी का स्थान नहीं मिलेगा,तब तक जल प्रबंधन की कोई भी योजना पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकती।कार्यक्रम के दौरान एक और महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रशिक्षण मॉड्यूल पुस्तिका का विमोचन किया गया।यह पुस्तिका केवल एक दस्तावेज नहीं,बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत की गई,जिसमें जल प्रबंधन,स्वच्छता और लैंगिक समानता से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया है।इस पुस्तिका का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं,बल्कि समुदायों को प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।इस प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि ग्राम स्तर पर कार्य करने वाले लोग, विशेषकर महिलाएँ,जल प्रबंधन के तकनीकी और सामाजिक पहलुओं को समझें और उन्हें व्यवहार में लागू कर सकें।यह पहल इस बात का संकेत है कि अब जल प्रबंधन केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है,बल्कि इसे एक जन आंदोलन बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

विनोद मिश्रा ने अतिथि के स्वागत भाषण मेंअपने विचार रखते हुए कहा कि जल और लैंगिक समानता का मुद्दा वैश्विक स्तर पर भी उतना ही महत्वपूर्ण है,जितना स्थानीय स्तर पर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, सरकार और समुदायों के बीच समन्वय स्थापित कर ही स्थायी समाधान संभव है।कार्यक्रम के समापन की ओर बढ़ते हुए यह स्पष्ट हो गया कि यह आयोजन केवल एक दिन की चर्चा नहीं,बल्कि एक दीर्घकालिक सोच और दिशा का प्रतीक है।जल संकट और लैंगिक असमानता जैसे विषयों को अलग-अलग नहीं,बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि जब नीति,अनुभव और सहभागिता एक साथ आते हैं,तो समाधान की दिशा स्वतः स्पष्ट होने लगती है।यह भी स्पष्ट हुआ कि जल केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का भी आधार है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जल को केवल संसाधन के रूप में नहीं,बल्कि एक साझा जिम्मेदारी के रूप में देखें।जब हर व्यक्ति,विशेषकर महिलाएँ,जल प्रबंधन में समान भागीदारी करेंगी,तभी एक संतुलित और समतामूलक समाज की स्थापना संभव होगी।विश्व जल दिवस का यह आयोजन हमें यह संदेश देता है कि समाधान कहीं बाहर नहीं,बल्कि हमारे भीतर और हमारे सामूहिक प्रयासों में निहित है।जब संवाद, सहभागिता और संकल्प एक साथ जुड़ते हैं,तभी परिवर्तन की वास्तविक धारा प्रवाहित होती है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

95 साल के मृत बुजुर्ग को 46 का युवा बनाया

बिलासपुर में जाति भी बदली, भू-माफिया ने फर्जीवाड़ा कर बेशकीमती खाली जमीन की कराई रजिस्ट्री

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में खाली पड़ी जमीन को हड़पने भू-माफिया गैंग एक्टिव है शहर में 12 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, जिनमें मृत व्यक्ति को जिंदा बताकर या फिर जीवित को मृत बताकर जमीन हथियाने फर्जीवाड़ा किया गया है एक मामले में 95 साल के मृत बुजुर्ग को जिंदा बताकर 46 साल का बना दिया गया उसकी जाति बदलकर जमीन की रजिस्ट्री करा ली फिर दूसरे को बेच दी गई यह मामला सिरगिट्टी इलाके का है जहां 1928 के राजस्व रिकॉर्ड में कौशल प्रसाद ब्राह्मण के नाम पर बेशकीमती जमीन दर्ज थी लंबे समय तक नामांतरण न होने का फायदा उठाते हुए जालसाजों ने एक सुनियोजित साजिश रची अचानक 2023 में कौशल प्रसाद सूर्यवंशी नाम का एक व्यक्ति खड़ा किया गया, जिसे रिकॉर्ड के अनुसार 46 साल का बताकर फौती नामांतरण करा दिया गया आरोप है कि 95 साल पुराने रिकॉर्ड को नया चेहरा देकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और फिर रमेश पांडे को पावर ऑफ अटॉर्नी देकर जमीन दूसरे को बेच दी इसी तरह तोरवा में रहने वाले पति-पत्नी को मृत बताकर फर्जी रिकॉर्ड तैयार किए गए। उनकी जमीन दूसरे को बेच दी गई। इन मामलों में पटवारी और आरआई की मिलीभगत की आशंका है। स्छरू ने इन मामलों में जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है सिरगिट्टी क्षेत्र के मिसल 1928 और राजस्व रिकॉर्ड में कौशल प्रसाद ब्राहम्ण के नाम पर जमीन दर्ज थी। इस पैतृक जमीन का सालों से न तो फौती कटा है और न ही नामांतरण हुआ है।

रोड हॉल्ट रेल परियोजना की रफ्तार : 24 से 27 मार्च तक भूमि सर्वे, 5 गांवों के 163 खसरे प्रभावित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रेलवे की बहुप्रतीक्षित चिरमिरी-नागपुर रोड हॉल्ट रेल परियोजना अब तेजी पकड़ रही है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार परियोजना के तहत प्रभावित गांवों में भूमि अधिग्रहण के लिए संयुक्त सर्वे कार्य 24 मार्च से 27 मार्च 2026 तक चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 से 25 मार्च तक ग्राम बंजी और सरोला में सर्वे किया जाएगा वहीं 26 से 27 मार्च तक ग्राम चिरईपानी, खैरबना और चित्ताझोर (तहसील चिरमिरी) में सर्वे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सर्वे कार्य प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से प्रारंभ होगा। सर्वे के दौरान भूमि का चिन्हांकन, पंचनामा, फोटोग्राफी, भूमि उपयोग का परीक्षण तथा मकान, पेड़, कुआं, नलकूप जैसी संरचनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा ताकि अधिग्रहण की प्रक्रिया पारदर्शी और सटीक रूप से पूरी की जा सके। इस परियोजना में कुल 5 गांवों के 163 खसरे प्रभावित होंगे। इनमें ग्राम बंजी के 55, सरोला के 11, चिरईपानी के 41, खैरबना के 34 और चित्ताझोर के 22 खसरे शामिल हैं।

भूस्वामियों से सहयोग की अपील: प्रशासन ने सभी प्रभावित भूस्वामियों, सह-स्वामियों और कब्जाधारियों से अपील की है कि वे अपने भूमि संबंधी आवश्यक दस्तावेज-खसरा, बी-1, ऋण पुस्तिका, विक्रय पत्र, बंटवारा एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों की जानकारी-के साथ निर्धारित तिथियों पर मौके पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और सर्वे टीम को सहयोग प्रदान करें अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति सर्वे के दौरान अनुपस्थित रहता है या सहयोग नहीं करता, जिससे आवश्यक जानकारी छूट जाती है तो भविष्य में उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

बिना परीक्षा सीधी भर्ती का सुनहरा मौका : 2 अप्रैल को वॉक-इन इंटरव्यू, 16 पदों पर होगा चयन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। कार्यालय कलेक्टर आदिवासी विकास द्वारा जारी सूचना के अनुसार पीएम एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती हेतु वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया जा रहा है। यह भर्ती राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति के अंतर्गत की जा रही है जो जनजातीय कार्य मंत्राल भारत सरकार के अधीन संचालित एक प्रतिष्ठित संस्था है।

वॉक-इन इंटरव्यू की तिथि और समय: जारी आदेश के अनुसार यह वॉक-इन इंटरव्यू 2 अप्रैल 2026, गुरुवार को आयोजित किया जाएगा इंटरव्यू का समय सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थियों को जनपद पंचायत आयुक्त सभागार में उपस्थित होकर सीधे साक्षात्कार में भाग लेना होगा। अस्थायी अतिथि शिक्षक के आधार पर की जाएगी, जो निर्धारित अवधि तक ही मान्य होगी और सत्र समाप्ति के साथ स्वत समाप्त हो जाएगी कुल 16 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिनमें पीजीटी (Post Graduate Teacher) स्तर के विभिन्न विषयों जैसे जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, इतिहास, भूगोल, गणित, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, कंप्यूटर साइंस, सामाजिक विज्ञान और अन्य विषय शामिल हैं। ये पद पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, पोड़ीडीह (विकासखण्ड खड़गवां) और पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, जमथान (विकासखण्ड भरतपुर) में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के लिए निर्धारित किए गए हैं।

आयु सीमा और मानदेय: आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की आयु सीमा 21 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। मानदेय की बात करें तो के नियमानुसार योग्यताधारी पीजीटी अभ्यर्थियों को 35,000 रुपये प्रतिमाह तथा टीजीटी को 33,000 रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा वहीं, बिना निर्धारित अर्हता वाले अभ्यर्थियों को पीजीटी के लिए 31,000 रुपये और टीजीटी के लिए 29,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां एवं स्वप्रमाणित छाया प्रतियां साथ लानी होंगी केवल निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे किसी अन्य माध्यम से आवेदन मान्य नहीं होगा इस भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार की आपत्ति या अपील स्वीकार नहीं की जाएगी। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति पूरी तरह अस्थायी होगी और निर्धारित अवधि के बाद स्वत समाप्त हो जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी के लिए जिले की आधिकारिक वेबसाइटhttps//manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in] पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नरवर में किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस का प्रदर्शन :ऋण चुकाने की तारीख बढ़े, सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के नरवर कस्बे में सोमवार को ब्लॉक किसान कांग्रेस कमेटी ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया अध्यक्ष विक्रम रावत बनियानी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एक खंबी चौराहे से रैली निकाली और तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार संतोष धाकड़ को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा कांग्रेसियों ने किसानों की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने बताया कि सोसायटी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च है जबकि गेहूं की एमएसपी पर खरीद 7 अप्रैल से शुरू होगी। इसलिए किसानों को राहत देने के लिए ऋण जमा करने की तिथि आगे बढ़ाई जाए ताकि वे फसल बेचकर बिना ब्याज के ऋण चुका सकें ट्रेड डील और मुआवजे का मुद्दा भी उठाया इसके अतिरिक्त, अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील में सोयाबीन तेल के टैक्स-फ्री आयात पर रोक लगाने की मांग की गई ताकि घरेलू किसानों को नुकसान न हो साथ ही अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों का सर्वे कराकर जल्द मुआवजा और बीमा राशि दिलाने की भी मांग की गई किसानों ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4000 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग की, जिससे उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके। कांग्रेसियों ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी ज्ञापन में सीहोर थाना क्षेत्र में अस्थायी फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करने की भी मांग की गई इसमें बताया गया कि गेहूं की फसल तैयार है और आगजनी की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है इस प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस पुरुषोत्तम रावत, पूर्व विधायक प्रागीलाल जाटव, सुरेंद्र कोली, रुकसाना खान, सौरभ माहेश्वरी, हीरा कुशवाह, जगदीश परमार, अजमेर रजक, गोपाल पाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक रात में दो घरों में लाखों की चोर,ताले तोड़कर जेवर-नकदी उड़ाई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पोहरी थाना क्षेत्र के आकुर्सी गांव में चोरों ने एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाया। इस दौरान लाखों रुपए के जेवर और नकदी चोरी कर ली गई घटना का पता सुबह चला। पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है आकुर्सी गांव निवासी प्रीतमलाल वर्मा (58) ने बताया कि 22 मार्च को वे शिवपुरी में अपने मकान पर थे जबकि उनका बेटा सतीश वर्मा परिवार सहित गांव वाले घर में मौजूद था 23 मार्च की सुबह करीब 4 बजे बेटे ने फोन पर चोरी की सूचना दी मौके पर पहुंचने पर कमरे का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा हुआ था चोरों ने बक्से से दो सोने की जंजीर, दो मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने की चूड़ी, चांदी की तोड़िया, बिछुए और लगभग 70 हजार रुपए नकद चुरा लिए

इसी गांव के हाकिम धाकड़ (31) ने अपनी शिकायत में बताया कि 22 मार्च की रात उनका परिवार खाना खाकर सो गया था। सुबह करीब 4 बजे उनकी बेटी मुस्कान के उठने पर घर के पास वाले कमरे से आवाज आई जांच करने पर कमरे का ताला और कुंडी टूटी मिली अंदर रखी गोदरेज अलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था चोरों ने अलमारी से एक मंगलसूत्र, सोने की पत्री, चांदी की करधौनी, तोड़िया, आठ जोड़ी बिछुए और 29 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। पोहरी थाना पुलिस ने दोनों फरियादियों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में चोरों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की आगे की जांच जारी है।

घायल जवान को नक्सल-इलाके में भेजने पर हाईकोर्ट की रोक

आरक्षक के सिर पर लगी थी गोली,दोबारा बीजापुर में पोस्टिंग,मैदानी जिले में पदस्थापना के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। हाईकोर्ट ने नक्सली हमले में गंभीर रूप से घायल आरक्षक की बीजापुर में पोस्टिंग पर रोक लगा दी है डीजीपी को उसे मैदानी जिले में पदस्थ करने कहा है कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ऐसे जवानों को उनकी शारीरिक स्थिति को नजरअंदाज कर संवेदनशील और नक्सल प्रभावित जिलों में पदस्थ नहीं किया जा सकता दरअसल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम नागरदा निवासी दिनेश ओगरे सशस्त्र बल की दूसरी बटालियन सकरी (बिलासपुर) में आरक्षक के पद पर कार्यरत थे साल 2016 में बीजापुर जिले के पामेड़ क्षेत्र में पदस्थापना के दौरान नक्सली हमले में उनके सिर पर गोली लगी थी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे लंबे इलाज के बाद आरक्षक स्वस्थ्य हो गया जिसके बाद साल 2018 में ड्यूटी के दौरान उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया इन परिस्थितियों को नजरअंदाज करते हुए पुलिस मुख्यालय रायपुर ने दोबारा उसकी पोस्टिंग नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर जिले के अदवाड़ा कैंप में कर दी पोस्टिंग ऑर्डर को हाईकोर्ट में दी चुनौती, सर्कुलर का दिया हवाला इससे परेशान आरक्षक दिनेश ओगरे ने एडवोकेट अभिषेक पाण्डेय और ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की तर्क दिया कि डीजीपी ने 3 सितंबर 2016 और 18 मार्च 2021 को जारी सर्कुलर में स्पष्ट निर्देश हैं कि नक्सली हमले में घायल जवानों से उनकी शारीरिक क्षमता के अनुसार ही ड्यूटी ली जाए उन्हें घोर नक्सल प्रभावित जिलों में पदस्थापित न किया जाए हाईकोर्ट ने माना- निर्देशों का हुआ उल्लंघन सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि, याचिकाकर्ता की शारीरिक स्थिति को नजरअंदाज करते हुए उसे फिर से नक्सल प्रभावित क्षेत्र में भेजना डीजीपी के सर्कुलर का उल्लंघन है। कोर्ट ने यह भी माना कि गंभीर रूप से घायल जवान को ऐसी परिस्थितियों में भेजना न केवल अनुचित है, बल्कि उसकी सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ भी समझौता है।

जल संरक्षण का संकल्प: जल जीवन मिशन के तहत मोहनटोला में भव्य जल उत्सव, लोगों ने लिया जिम्मेदारी निभाने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहनटोला में 22 मार्च 2026 को विश्व जल दिवस जल अर्पण दिवस एवं जल उत्सव पखवाड़ा का आयोजन अत्यंत गरिमामय और जनजागरूकता से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने ग्रामीणों को जल संरक्षण और स्वच्छ पेयजल के महत्व के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक सशक्त पहल प्रस्तुत की

कार्यक्रम का संचालन और सहभागिता: कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन में तथा सहायक अभियंता जयंत कुमार चंदेल और उप अभियंता मनमोहन सिंह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बना दिया जनपद अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष हीरा लाल मौर्य, जिला महामंत्री हिरा लाल यादव, जनपद सदस्य रविन्द्र कुमार बैगा, देवेन्द्र कुमार सिंह सहित ग्राम पंचायत मोहनटोला के सरपंच अमरबहादुर सिंह, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य जल बहिनियां, पंप ऑपरेटर और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जागरूकता गतिविधियाँ और पुरस्कार वितरण : कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रचनात्मक और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा जल जीवन मिशन पर रंगोली बनाई गई, जिससे जल संरक्षण का संदेश दिया गया पूरे गांव में जागरूकता रैली निकाली गई, और सोलर सिस्टम एवं नल कनेक्शन पर मौली धागा बांधकर उनके संरक्षण एवं जिम्मेदारी का प्रतीकात्मक संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, जल एवं स्वच्छता समिति, जल बहिनियों तथा पंप ऑपरेटरों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जल जीवन मिशन और जनसहभागिता पर जोर: कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल जीवन मिशन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता एवं नल-जल योजना के सफल संचालन में जनसहभागिता की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि पंचायती राज अधिनियम की अधिसूचना 6 दिसंबर 2024 के अनुसार न्यूनतम 60 रुपये जल शुल्क के नियमित भुगतान की अनिवार्यता को भी समझाया गया। सभी उपस्थित जनों ने जल संरक्षण की शपथ ली और यह संकल्प लिया कि वे पानी की प्रत्येक बूंद का महत्व समझेंगे।

801 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकली : शहर 'जय माता दी' के नारों से गूंजा, भक्तों ने फूल बरसाकर किया स्वागत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चैत्र नवरात्र के अवसर पर काली मंदिर सेवा समिति की ओर से भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया इस यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे पूरा शहर 'जय माता दी' के जयकारों और भजन-कीर्तन से गूंज उठा इस साल की चुनरी यात्रा खास रही क्योंकि इसकी लंबाई 801 मीटर थी समिति ने बताया कि पहले साल यह यात्रा मात्र 51 मीटर लंबी चुनरी के साथ शुरू हुई थी लेकिन श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था के कारण इसकी लंबाई लगातार बढ़ाई गई चुनरी यात्रा काली मंदिर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों मंदिरों और चौक-चौराहों से गुजरी यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने चुनरी का स्वागत किया महिलाओं ने आरती उतारी, फूल बरसाए और माता रानी की पूजा-अर्चना की युवाओं और समिति के कार्यकर्ताओं ने यात्रा को व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग किया यात्रा के दौरान भजन मंडलियों ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए जिससे माहौल आध्यात्मिक बना रहा ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए आगे बढ़े।

काली मंदिर से शुरू हुई चुनरी यात्रा: भक्तों की भारी भीड़ के कारण पूरा नगर धार्मिक रंग में रंगा दिखा। चुनरी यात्रा काली मंदिर से शुरू होकर शहर का भ्रमण कर वापस काली मंदिर पहुंची, जहां से इसे राम मंदिर होते हुए शीतला मंदिर तक ले जाया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि समाप्त होने के बाद इस पवित्र चुनरी को महिलाओं को भेंट किया जाएगा। श्रद्धालु इसे माता के आशीर्वाद के रूप में अपने घरों में श्रद्धापूर्वक रखते हैं।

दिनारा में बिजली खंभे से गिरा युवक : करंट लगने से हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के दिनारा कस्बे में अशोक होटल के पास सोमवार सुबह करीब 8:40 बजे बिजली लाइन बिछाते समय 11 केवी लाइन की चपेट में आने से एक अस्थाई कर्मचारी खंभे से नीचे गिर गया। खंभे से गिरते समय सिर पत्थर से टकराने के कारण सेवड़ी निवासी राजा कुशवाह गंभीर रूप से घायल हो गया है मौके पर मौजूद साथियों ने उसे तत्काल दिनारा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है 5 माह से अस्थाई कर्मचारी है राजा, 3 साथियों के साथ गया था जानकारी के अनुसार, सेवड़ी निवासी राजा कुशवाह पिछले पांच माह से एग्रीमेंट पर अस्थाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत है सुबह करीब 8:40 बजे वह अपने साथी शैलेंद्र, मंसु और सुनील के साथ दिनारा के अशोक होटल के पास बिजली लाइन डालने पहुंचा था। बताया गया है कि काम शुरू करने से पहले राजा कुशवाह ने दिनारा सिटी और पंप फीडर का परमिट ले लिया था हालांकि, वहां से गुजर रही एक अन्य 11 केवी लाइन का परमिट नहीं लिया गया था। इसी दौरान जैसे ही वह बिजली के खंभे पर चढ़ा, उसे तेज करंट लग गया संतुलन बिगड़ा और सिर के बल पत्थर पर गिरा खंभे पर तेज करंट लगने से राजा संतुलन खो बैठा और सीधे नीचे आ गिरा।

सीहोर में मोटर चोरी गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा

4 चोर और 2 कबाड़ी गिरफ्तार, 5 मोटर और केबल बरामद

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में किसानों की मोटर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए चार चोरों और चोरी का माल खरीदने वाले दो कबाड़ियों सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से पांच मोटर, केबल और तांबे का तार बरामद किया गया है।

गोपालपुर पुलिस को मिली सफलता : गोपालपुर पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही मोटर चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश और एसडीओपी रोशन कुमार जैन के मार्गदर्शन में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था।

किसानों में थी परेशानी : पिछले कुछ समय से क्षेत्र के किसान तालाबों, नदियों और ट्यूबवेलों से मोटर चोरी की घटनाओं से परेशान थे।

थाना गोपालपुर में मोटर और केबल चोरी की कई शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिन्हें पुलिस ने गंभीरता से लिया। मामले की जांच के लिए थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

मुखबिर और तकनीकी साक्ष्यों से जांच : पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सुनील उर्फ काटरु, राजू उर्फ राजेंद्र, सूरज और पतिराम को हिरासत में लिया।

कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपियों ने विभिन्न तालाबों और ट्यूबवेलों से मोटर और केबल चोरी करना स्वीकार किया।

मोटर और बाइक बरामद : आरोपियों की निशानदेही पर चार ओपनवेल मोटर और एक सबमर्सिबल पंप बरामद किया गया। साथ ही आरोपी सूरज के पास से घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक भी जब्त की गई।

जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी का केबल अनिल निमोरे और विकास जाटव को बेचते थे। पुलिस ने दोनों कबाड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से तांबे का तार बरामद किया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की।

रतलाम में तेज रफ्तार एंबुलेंस रेलिंग तोड़कर नाले में गिरी

ड्राइवर और सवार लड़की मौके से भागे; क्रेन से निकाला वाहन

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के देवरा देवनारायण नगर में रविवार रात तेज रफ्तार एंबुलेंस नाले में जा गिरी। एंबुलेंस में ड्राइवर के साथ एक लड़की सवार थी। दोनों बचकर निकल मौके से भाग गए। हादसे के समय नाले की रेलिंग पर रहवासी मौजूद नहीं थे, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। एंबुलेंस राजस्थान पासिंग है, जिसका नंबर क्रमांक आरजे 18 क्र6317 है। रहवासियों ने बताया कि एंबुलेंस तेज रफ्तार में थी। ड्राइवर लहराते हुए चला रहा था, जिस जगह नाला है वह मोड़ वाला क्षेत्र है।

रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिरी एंबुलेंस : एंबुलेंस रेलिंग तोड़ते हुए नीचे आगे के मुंह की तरफ जा गिरी। एंबुलेंस का आधा हिस्सा नाले में था तो पीछे का हिस्सा ऊपर था। फिलहाल एंबुलेंस नाले में। पुलिस मौके पर पहुंची है। एंबुलेंस को निकालने के लिए क्रेन बुलाई गई।

सीएसपी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे : सूचना पर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, थाना औद्योगिक प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी समेत अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचा। क्षेत्रीय पार्षद पति हितेश पेमाल ने बताया कि रहवासियों की सूचना पर मैं मौके पर पहुंचा। एंबुलेंस में ड्राइवर के साथ एक लड़की सवार थी, दोनों बच गए। लोगों ने रोकने की कोशिश की वह गाड़ी छोड़ के भाग गए। प्रतिदिन लोग नाले की रेलिंग के पास बैठे रहते हैं।

दीवानगंज हाईवे पर पांच दिन में छह ट्रक पलटे

बार-बार जाम से हालात बिगड़े; ओवरब्रिज निर्माण से बढ़ा ट्रैफिक दबाव

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के दीवानगंज हाईवे-18 पर पिछले पांच दिनों में छह ट्रक पलट चुके हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण लगातार जाम की स्थिति बन रही है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में, दो ट्रकों के पलटने से घंटों तक यातायात बाधित रहा। पहली घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे दीवानगंज के फाल्कन गार्डन देहरी गांव के पास हुई। यहां भूसे का एक ओवरलोड ट्रक हाईवे-18 के बीचों-बीच पलट गया। इस दुर्घटना के कारण लगभग 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जो सुबह 8 बजे तक जारी रहा। सूचना मिलने पर सुखी सेमानिया पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटाया। इसके बाद सुबह 8 बजे यातायात सामान्य हो सका। इस लंबे जाम में कई लंबी दूरी की यात्री बसें भी फंसी रहीं, जिससे यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

ट्रांसफॉर्मर से टकरा गया था ट्रक : सोमवार दोपहर को ही दीवानगंज के फैक्ट्री चौराहे पर एक ट्रक रिवर्स करते समय ट्रांसफार्मर से टकरा गया, जिससे ट्रांसफार्मर गिर गया और बिजली के तार टूटने से इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं, फैक्ट्री चौराहे पर ही कलारी के सामने वाहनों के इंजन के सामान से भरा एक अन्य ट्रक बबूल के पेड़ को तोड़ते हुए सड़क से नीचे पलट गया। क्षेत्र में ट्रकों के पलटने की घटनाओं में वृद्धि का मुख्य कारण रेलवे ओवरब्रिज पर चल रहा निर्माण कार्य है। इस कार्य के चलते सुखी बाईपास बंद कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, मंडीदीप जाने वाले ओर आने वाले सभी वाहन अब रायसेन, दीवानगंज और सलामतपुर होते हुए गुजर रहे हैं। इस बदलाव के कारण हाईवे पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया है। पहले जहां प्रतिदिन लगभग 12,000 वाहन गुजरते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर करीब 16,000 हो गई है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

खंडवा के डाकघर में मिली लाश,पैंट से बने फंदे पर मिला अज्ञात शख्स

जबलपुर का रेल टिकट मिला; शव 2-3 दिन पुराना होने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के मुख्य बांबे बाजार स्थित पोस्ट ऑफिस हेडक्वार्टर के टॉयलेट में सोमवार सुबह एक 40-42 वर्षीय अज्ञात युवक का 2 से 3 दिन पुराना शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। शासकीय अवकाश के बाद सोमवार को जब कर्मचारी डाकघर पहुंचे, तो टॉयलेट से बदबू आने पर कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने अंदर से बंद दरवाजा तोड़कर टॉयलेट के रोशनदान से लटके शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को मृतक की जेब से जबलपुर का एक रेलवे टिकट मिला है और अब शिनाख्त के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

टॉयलेट से आई बदबू, दरवाजा तोड़ा तो फंदे पर लटका था शव : सोमवार सुबह डाकघर से पुलिस को सूचना मिली थी कि टॉयलेट से काफी बदबू आ रही है। इस पर थाना कोतवाली पुलिस से एसआई मनोज दवे और स्टाफ मौके पर पहुंचा। मौके पर पहुंची पुलिस को टॉयलेट का दरवाजा भीतर से लॉक मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और भीतर से शव को बाहर निकाला। मामले की जानकारी देते हुए टीआई प्रवीण कुमार आर्य ने बताया कि, 'फिलहाल जांच कर रहे हैं। अज्ञात 40-42 वर्षीय व्यक्ति हैं, जिसकी पहचान नहीं हो सकीं हैं। '

3 दिन से बंद था डाकघर, युवक ने पैंट से बनाया था फंदा : टीआई आर्य के मुताबिक, व्यक्ति की लाश करीब दो से तीन दिन पुरानी है। इस दरमियान शासकीय अवकाश होने से डाकघर नहीं खुला था। आज सोमवार को वहां कर्मचारी पहुंचे तो उन्हें टॉयलेट से बदबू आई। पुलिस की जांच में सामने आया कि व्यक्ति ने फांसी का फंदा अपनी पैंट से बनाया था। पैंट को उसने टॉयलेट के रोशनदान से लटकाया हुआ था।

जेब से मिला जबलपुर का रेलवे टिकट : पुलिस द्वारा मृतक के शव की तलाशी ली गई, जिसके दौरान उसकी जेब से एक रेलवे टिकट मिला है। टिकट खंडवा से जबलपुर का था। इस सुराग के आधार पर पुलिस अब मृतक की पहचान जुटाने के लिए रेलवे स्टेशन सहित आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है।

सागर में पकड़ाया 8 साल से फरार स्थाई वारंटी

धारा 324 के मामले में था फरार, कोर्ट पेश कर जेल भेजा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की बहरोल थाना पुलिस ने 8 सालों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की गई। जिसके बाद रविवार को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2018 में आरोपी दिलीप पिता बालकिशन सोर उम्र 38 वर्ष निवासी नीमोन के खिलाफ थाने में जानबूझकर धारदार या खतरनाक हथियार से हमला करने पर धारा 324 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद आरोपी पिछले 8 वर्षों से फरार चल रहा था। स्थाई वारंट जारी हुआ। टीमें गठित कर लगातार तलाश की जा रही थी लेकिन आरोपी अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इसी बीच मुखबिर ने सटीक सूचना दी कि आरोपी अपने निवास निमोन में मौजूद है। सूचना मिलते ही थाना स्तर पर गठित टीम कार्रवाई करने रवाना की गई। टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपी दिलीप पिता बालकिशन सोंर निवासी नीमोन को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

आंगनवाड़ी में खेलते समय बच्चे पर गिरा लोहे का गेट

11 वर्षीय छात्र के सिर में गंभीर चोट; छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के ग्राम दादरी में सोमवार को एक आंगनवाड़ी केंद्र में खेलते समय 11 वर्षीय बच्चे पर लोहे का गेट गिर गया। इस घटना में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका इलाज जारी है। दादरी गांव निवासी कृष्ण अनुरागी (11), जो कक्षा 6 का छात्र है, अन्य बच्चों के साथ आंगनवाड़ी परिसर में खेल रहा था। खेलते समय अचानक आंगनवाड़ी का लोहे का गेट टूटकर उस पर गिर गया। गेट के नीचे दबने से कृष्ण के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य बच्चों ने गेट को हटाकर कृष्ण को बाहर निकाला। उसे तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल में उपचार जारी : घायल बच्चे की मां केशराज ने बताया कि घटना के समय वह खेत पर काम कर रही थीं। सूचना मिलने पर वह तुरंत मौके पर पहुंचीं और बच्चे को इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे के सिर में गहरी चोट है।

उसकी स्थिति का आकलन करने के लिए सीटी स्कैन कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चोट की गंभीरता और आंतरिक क्षति का पता चल पाएगा। बच्चे का उपचार जारी है।

मंदसौर के लदुना में दो बाइकों की टक्कर

दो युवक गंभीर घायल, एक अहमदाबाद रेफर

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना के ग्राम लदुना के समीप रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, मोइन (21) पिता महमूद खान निवासी ग्राम लदुना अपनी टीवीएस स्टार स्पोर्ट बाइक से सीतामऊ की ओर मेले में जा रहा था। इसी दौरान सामने से टीवीएस एक्सएल पर सवार अर्जुन माली (25) पिता मांगीलाल माली, जो सीतामऊ से लदुना की ओर आ रहे थे, लदुना के पास गाय के सामने आ जाने से दोनों बाइक अनियंत्रित हो गई और आपस में जोरदार टक्कर हो गई।

दोनों को पहले सीतामऊ, फिर जिला अस्पताल रेफर : हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को तुरंत सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर दोनों को मंदसौर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

मोइन की हालत गंभीर, अहमदाबाद रेफर : डॉक्टरों के अनुसार, मोइन के सिर में गंभीर चोट आई है और उसे 6 टांके लगाए गए हैं। इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में भी अंदरूनी चोटें आई हैं। हालत नाजुक होने के कारण उसे उपचार के लिए अहमदाबाद रेफर किया गया है। वहीं अर्जुन माली के सिर, मुंह और पैर में चोटें आई हैं। उसके सिर में 8 टांके लगाए गए हैं। फिलहाल उसका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक में दुर्घटना का कारण गाय सामने आ जाने से दोनों वाहनों का अनियंत्रित होकर आमने-सामने टकराना बताया जा रहा है। इस घटना के बाद आंगनवाड़ी केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की कि जर्जर और असुरक्षित संरचनाओं की तुरंत जांच कर उन्हें ठीक किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बेटे-बहू ने सास-ससुर को डंडों से पीटा

अस्पताल में भर्ती महिला बोली- हमें अधमरा कर दिया, रिपोर्ट तो करेंगे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में पारिवारिक विवाद के चलते बहू और बेटे ने अपने ही माता-पिता पर हमला कर दिया। इस मारपीट में 60 वर्षीय आशा वाल्मीकि और उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल आशा वाल्मीकि ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे ने कुछ साल पहले प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से ही बहू का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं था। आशा के अनुसार, बहू दहेज में कुछ नहीं लाई थी, लेकिन अब घर और संपत्ति में हिस्सा मांग रही है।

महिला बोली- पति बीमार रहते हैं, खुद मेहनत करने चली जाती : आशा ने बताया कि उनके पति बीमार रहते हैं, और वह स्वयं मेहनत कर घर चलाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बहू घर के काम में सहयोग नहीं करती और अक्सर विवाद करती रहती है। बीती रात यह विवाद इतना बढ़ गया कि बहू ने अपने पति के साथ मिलकर सास-ससुर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

सिर, हाथ-पैर में आई चोट : इस हमले में आशा वाल्मीकि के सिर, आंख, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उनके पति का हाथ टूट गया है। मारपीट के बाद दोनों घायल सीधे जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल पीड़िता ने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है, लेकिन उन्होंने बेटे और बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही है। पुलिस का कहना है कि अक्सर पारिवारिक मामलों में लोग शिकायत दर्ज कराने से बचते हैं। हालांकि, शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की जाएगी और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

औबेदुल्लागंज-बैतूल हाईवे पर ट्राले-हार्वेस्टर की टक्कर

2 लोग घायल, 2 किमी लंबा जाम लगा; डेढ़ घंटे से ज्यादा देर थमे रहे पहिए

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे पर बागदेव पुलिया के पास सोमवार सुबह करीब 8 बजे एक ट्राले और हार्वेस्टर की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में ट्राले का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर सहित दो लोग घायल हो गए। बीच सड़क पर वाहनों के फंसने से हाईवे पर 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

सूचना पर पहुंची केसला थाना पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से इटारसी भेजा और क्रेन की मदद से सुबह 9.30 बजे वाहनों को हटाकर यातायात बहाल करा दिया है।

सुबह 8 बजे हुआ एक्सीडेंट, 2 किमी लंबा लगा जाम : हाईवे पर बागदेव पुलिया के पास ट्राले और हार्वेस्टर की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्राले का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर व एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए।

हादसे के बाद ट्राला और हार्वेस्टर दोनों बीच सड़क पर ही खड़े हो गए। इससे नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक रुक गया और देखते ही देखते 2 किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई।

पुलिस ने क्रेन से हटवाए वाहन, घायलों को इटारसी भेजा : एक्सीडेंट और जाम की सूचना मिलते ही केसला थाना प्रभारी अपने स्टॉफ के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सबसे पहले घायल ड्राइवर और दूसरे व्यक्ति को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए इटारसी भेजा। इसके बाद बीच सड़क पर फंसे हार्वेस्टर और ट्राले को हटाने के लिए क्रेन बुलाई गई।

9.30 बजे बहाल हुआ यातायात : क्रेन की मदद से सुबह करीब 9.30 बजे दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर एक तरफ किया गया। इसके बाद हाईवे पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकी और धीरे-धीरे वाहनों को निकाला गया। बता दें कि 11 मुखी हनुमान मंदिर से केसला माता मंदिर तक जंगल क्षेत्र होने के कारण फोरलेन निर्माण का कार्य बंद पड़ा है। ऐसे में कुछ हिस्से में पुरानी सड़क और बाकी हिस्से में नए निर्माणाधीन रास्ते से ही वाहनों की आवाजाही हो रही है।

केसला थाना प्रभारी उमाशंकर यादव ने बताया ट्राले और हार्वेस्टर की टक्कर में दो लोग घायल हुए हैं। एक्सीडेंट के बाद हार्वेस्टर और ट्राला सड़क पर ही थे, जिससे अन्य वाहन नहीं निकल पा रहे थे। इस वजह से जाम लगा। क्रेन से दोनों वाहनों को हटाया गया। जिसके बाद हाईवे पर ट्रैफिक शुरू हुआ। काफी लंबी वाहनों की कतार लग गई थी।

मक्का से भरी ट्रॉली को डंपर ने मारी टक्कर :एक की मौत

काफी मशक्कत के बाद निकाला शव, ट्रैक्टर चालक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल जिले के बैतूल बाजार थाना क्षेत्र के तेड़ा जोड़ के पास भोगी टेड़ा नाले के समीप बीती रात सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे बड़ा हादसा हो गया। हादसे में डंपर चालक 45 वर्षीय पर्वत गुलबराव की मौके पर ही मौत हो गई। वे सांवनगी, आठनेर के निवासी थे और एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करते थे। सोमवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल : जानकारी के अनुसार, सेहरा निवासी करण अमरूते ट्रैक्टर-ट्रॉली में मक्का भरकर बैतूल कृषि मंडी जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और करण अमरूते गंभीर रूप से घायल हो गए। काफी मशक्कत के बाद निकाला शव हादसे के बाद डंपर चालक केबिन में फंस गया था।

आईपीएल 2026 के लिए पुजारा-कैफ ने चुनी गुजरात की प्लेइंग 11

गिल-सुदर्शन ओपनर, बटलर नंबर 3, सिराज भी शामिल

वाशिंगटन सुंदर को 5वें स्थान पर रखा

पुजारा और कैफ ने चौथे नंबर पर ग्लेन फिलिप्स को रखा जबकि स्पिन ऑलराउंजर वाशिंगटन सुंदर को पांचवें स्थान पर जगह दी। उन्होंने कहा कि इस टीम के टॉप 5 में किसी भी तरह का बदलाव नहीं देख रहे हैं और ये खिलाड़ी टॉप में जरूर होंगे। पुजारा ने नंबर 6 के लिए राहुल तेवतिया का चयन किया और कहा कि कैफ भाई मुझसे सहमत हैं या नहीं, लेकिन मैं रबादा के साथ भी नहीं जाऊंगा जिनका प्रदर्शन इन दिनों अच्छा नहीं रहा है। पुजारा ने 7वें नंबर पर होल्डर को रखा और कहा कि वो अच्छी लय में हैं और बैटिंग के साथ-साथ गेंदबाजी का भी विकल्प उपलब्ध करवाते हैं।

सिराज-कृष्णा के रूप में दो तेज गेंदबाज

कैफ ने भी कहा कि वो पुजारा से सहमत हैं और होल्डर गुजरात के लिए काफी उपयोगी हो सकते हैं। इसके बाद दोनों ने फिनिशर के रूप में शाहरुख खान को टीम में जगह दी साथ ही साथ इसके बाद राशिद खान को रखा जो बेहतरीन बैटिंग भी निचले क्रम पर कर लेते हैं। शाहरुख और राशिद स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं वहीं कैफ और पुजारा ने टीम में प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज के रूप में दो तेज गेंदबाजों को भी जगह दी।

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस दूसरी बार विनर बनने के इरादे से आईपीएल 2026 में मैदान पर उतरेगी। गुजरात ने साल 2022 में आईपीएल में डेब्यू किया था और पहले ही सीजन में विनर बनी थी, लेकिन तब टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या थे। अब गिल इस टीम के कप्तान हैं और इस सीजन के लिए टीम में कुछ नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। आईपीएल के इस सीजन के लिए गुजरात की बेस्ट प्लेइंग इलेवन क्या होनी चाहिए इसका चयन पूर्व भारतीय खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और मोहम्मद कैफ ने मिलकर किया।

कगिसो रबादा को प्लेइंग 11 में नहीं मिली जगह- पुजारा और कैफ ने गुजरात की जिस प्लेइंग इलेवन का चयन किया उसमें उन्होंने साउथ अफ्रीका के स्टार तेज बॉलर कगिसो रबादा को शामिल नहीं किया जो हैरान करने वाला रहा। रबादा को गुजरात ने इस सीजन के लिए रेंटिन किया था जबकि अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बेंटन, पृथ्वीराज यात्रा और ल्यूक वुड को मिनी निलामी में टीम के साथ जोड़ा था। पुजारा और कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स पर मिलकर इस टीम की प्लेइंग 11 का चयन किया।

गिल-साई सुदर्शन ओपनर: इन दोनों खिलाड़ियों ने ओपनर के रूप में कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का चयन किया। साई सुदर्शन ने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था और ऑरेंज कैप विनर भी रहे थे। पुजारा और कैफ ने तीसरे नंबर पर जोस बटलर को जगह दी जो पहले राजस्थान टीम का हिस्सा थे। बटलर तेज बैटिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनका प्रदर्शन इंग्लैंड के लिए काफी खराब रहा था। बटलर टीम के विकेटकीपर भी हैं।

पुजारा-कैफ ने चुनी आईपीएल 2026 के लिए गुजरात टाइटंस की प्लेइंग 11: शुभमन गिल, साई सुदर्शन, जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, शाहरुख खान, राशिद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

आईपीएल 2026 से बाहर हुए आकाश दीप

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है, जिससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को झटका लगा है। तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। केकेआर ने बीते साल मिनी-ऑक्शन में आकाश दीप को 1 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था, लेकिन आकाश दीप ऐसे समय में टीम से बाहर हुए हैं, जब टीम की फास्ट बॉलिंग यूनिट पहले ही चोटों से जूझ रही है। फ्रेंचाइजी से जुड़े एक अधिकारी ने शनिवार को 'आईएएनएस' से आकाश दीप के बाहर होने की पुष्टि करते हुए ??बताया, 'हां, आकाश दीप आने वाले आईपीएल सीजन से बाहर हो गए हैं। वह अभी तक बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब के लिए रवाना नहीं हुए हैं, लेकिन यह पक्का है कि वह इस सीजन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।'

कोलकाता नाइट राइडर्स अपने नए सीजन की शुरुआत 29 मार्च को 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है।

केकेआर का प्री-सीजन कैंप 18 मार्च से शुरू हुआ था, जिसमें आकाश दीप शामिल नहीं हुए थे, न ही उन्हें शुक्रवार शाम ईडन गार्डन्स में खेले गए इंट्रा-स्क्वाड प्रैक्टिस मैच में देखा गया था। आईएएनएस को मिली जानकारी के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि आकाश दीप को 15 से 18 फरवरी के बीच कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच में बंगाल की ओर से खेलते हुए बाएं पैर की एड़ी में चोट लग गई थी। आकाश दीप के बाहर होने से केकेआर की तेज गेंदबाजी की चिंताएं और बढ़ गई हैं। भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हर्षित राणा पहले ही मेनिस्कस टियर की सर्जरी के बाद बाहर चल रहे हैं, जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अपनी चोट के बाद अपने बोर्ड से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। कंधे की चोट के कारण वह 2026 पुरुषों के टी20 विश्व कप में भी ज्यादा समय तक नहीं खेल पाए थे। केकेआर के पास तेज गेंदबाजी टीम में वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, ब्लेसिंग मुजरबानी और कार्तिक त्यागी शामिल हैं, जबकि कैमरन ग्रीन और रमनदीप सिंह तेज गेंदबाजी के ऑलराउंड विकल्प हैं। केकेआर ईडन गार्डंस में ट्रायल आयोजित करके तेज गेंदबाजी विभाग में नए खिलाड़ियों की तलाश कर रही है। नवदीप सैनी, आकाश मधवाल, सिमरजीत सिंह, संदीप वॉरियर, केएम आसिफ और सुनील कुमार जैसे खिलाड़ी, राणा और अब आकाश दीप के चोटिल होने से खाली हुई जगहों को भरने के लिए ट्रायल में हिस्सा ले रहे हैं।

'हार्दिक पंड्या को खुद ही छोड़ देनी चाहिए कप्तानी'

पूर्व भारतीय बैटर ने मुंबई इंडियंस के नए कप्तान का बताया नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस की नजर इस बार यानी आईपीएल 2026 में छठी बार चैंपियन बनने पर होगी, लेकिन इस सीजन में एक बड़ा कमाल होगा। दरअसल इस टीम में दो टी20 विश्व कप विजेता कप्तान होंगे और वो हार्दिक पंड्या की कप्तानी में खेलेंगे यानी रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव हार्दिक की कप्तानी में खेलते हुए नजर आएंगे। हार्दिक पंड्या साल 2024 में मुंबई के कप्तान बने थे और उन्होंने रोहित शर्मा की जगह ली थी, लेकिन इस सीजन में मुंबई की टीम अंकतालिका में सबसे नीचे रही थी। स्टार खिलाड़ियों से भरी मुंबई की टीम ने अपने प्रदर्शन को आईपीएल 2025 में सुधारा और टीम प्लेऑफ में पहुंची, लेकिन फाइनल खेलने से चूक गई।

सूर्यकुमार के लिए हार्दिक छोड़ दें कप्तानी

श्रीकांत ने आगे कहा कि बाहर से देखने पर मुंबई की कप्तानी के लिए सबसे अच्छे विकल्प सूर्यकुमार यादव लगते हैं, लेकिन हो सकता है कि ये इस फ्रेंचाइजी की कोई नीति हो। भारत के पूर्व कप्तान ने कहा कि हार्दिक खुद ही इस स्थिति को सुलझा सकते हैं अगर वह सूर्यकुमार के लिए कप्तानी छोड़ दें। सूर्यकुमार ने अभी तक आईपीएल में किसी भी फ्रेंचाइजी की पूरी तरह से कप्तानी नहीं की है। वहीं मुंबई के कप्तान के तौर हार्दिक का प्रदर्शन भले ही औसत रहा हो, लेकिन उन्होंने 2022 में गुजरात टाइटन्स को उनके पहले ही सीजन में खिताब दिलाया था।

'संजू को कप्तान नहीं बनाना चाहिए'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा (आईपीएल में 205 मैचों में बनाए हैं 4952 रन) ने ऋतुराज गायकवाड़ का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें आईपीएल 2026 में भी सीएसके का कप्तान बने रहना चाहिए। उन्होंने उन सुझावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि संजू सैमसन को यह भूमिका संभालनी चाहिए। उथप्पा का मानना ??है कि फ्रेंचाइजी को धैर्य दिखाना चाहिए क्योंकि इस अहम बदलाव के दौर में ऋतुराज गायकवाड़ एक लीडर के तौर पर विकसित हो रहे हैं। आईपीएल 2026 से पहले एक बड़े ट्रेड के बाद संजू सैमसन के चेन्नई आने से कप्तानी को लेकर नई अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं, लेकिन सीएसके ने तुरंत यह साफ कर दिया कि टीम की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के ही हाथों में रहेगी। उथप्पा ने जियो हॉटस्टार के एक शो में कहा कि ऋतुराज के साथ बने रहने से टीम को किस तरह से फायदा होगा। आपको बता दें कि संजू सैमसन आईपीएल में पहली बार सीएसके के लिए इस सीजन में खेलते हुए नजर आएंगे। रॉबिन उथप्पा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि सीएसके को कप्तानी की जिम्मेदारी संजू सैमसन को सौंपनी चाहिए। आपको ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान के तौर पर जमने के लिए समय देना होगा। वह 2024 से टीम की कप्तानी कर रहे हैं और लोग चाहे कुछ भी कहें वह एमएस धोनी की परछाई से बाहर निकल रहे हैं। आप भी चाहेंगे कि वह पूरी तरह से धोनी की परछाई से बाहर निकलें और अपनी खुद की पहचान बनाएं साथ ही आप यह भी देखना चाहेंगे कि वो क्या कर सकते हैं।

सिर्फ 2 ओवर गेंदबाजी करे तो 2 करोड़ रुपये काट लेने चाहिए'

KKR के ऑलराउंडर पर भड़के आर अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को आईपीएल नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि उनकी फिटनेस चिंता का विषय रही है और इसकी वजह से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने उनका इस्तेमाल पिछले दिनों काफी सोच-समझकर किया है। अब पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि अगर वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण ग्रीन केकेआर के लिए पर्याप्त ओवर गेंदबाजी नहीं कर पाते हैं तो टीम के पास उनकी सैलरी कम करने का अधिकार होना चाहिए।

2 ओवर गेंदबाजी करे तो 2 करोड़ सैलरी से काट लें- अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कैमरन ग्रीन को लेकर एक सवाल है। क्या क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उन्हें पूरे चार ओवर गेंदबाजी करने की इजाजत देगा यह भी एक संभावना है। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ग्रीन से कह रहा है कि वह आईपीएल में खेल सकते हैं, लेकिन हमारे लिए टेस्ट क्रिकेट बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए आप केवल इतना ही वर्कलोड ले सकते हैं। अश्विन ने आगे कहा कि आईपीएल टीमों के पास ऐसा अधिकार होना चाहिए कि अगर कोई खिलाड़ी सिर्फ 2 ओवर गेंदबाजी करता है तो वो उसके 2 करोड़ रुपये सैलरी में से काट सकें। अश्विन ने आगे कहा कि क्यों नहीं, अगर वह अपने चार ओवर पूरे नहीं कर पाता तो आपको उसके पैसे काटने का अधिकार होना चाहिए है कि नहीं। जब आप आईपीएल नीलामी में आए थे तो उम्मीद यही थी कि आप पूरे चार ओवर गेंदबाजी करेंगे और बल्लेबाजी भी करेंगे। अगर गेंदबाजी पर कोई रोक नहीं है तो बहुत बढ़िया, लेकिन अगर कोई रोक है तो टीम को कॉन्ट्रैक्ट की रकम में से कटौती करने की इजाजत मिलनी चाहिए। जरा सोचिए अगर आप शाहरुख खान होते और आपने किसी खिलाड़ी के लिए 25 करोड़ रुपये दिए होते, लेकिन फिर वह आकर कहता कि सर, मैं आज सिर्फ एक ओवर डालूंगा या दिन में सिर्फ 10 गेंदें डालूंगा तो आपको कैसा लगेगा। इससे पहले बद्रीनाथ ने भी ग्रीन के बारे में कहा था कि आपने उसे 25 करोड़ में साइन किया है और वह बुरी तरह से फॉर्म से बाहर है। टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए उसे काफी संघर्ष करना पड़ा। कैमरन ग्रीन को इतनी बड़ी रकम सिर्फ इसलिए मिली क्योंकि उसके बारे में बहुत ज्यादा चर्चा थी। वह इतनी बड़ी रकम का हकदार नहीं है, क्या उसने आईपीएल में अकेले दम पर कुछ भी किया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बारे में हमेशा बहुत ज्यादा चर्चा होती है और उसे इसी बात का फायदा मिला। मेरा मानना है कि केकेआर का यह फैसला गलत था।

दुनिया में तेल-गैस की किल्लत, अंग्रेज गेंद की कमी से परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण भारत समेत पूरा विश्व कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस में किल्लत जूझ रहा है। इस बीच इंग्लैंड में अलग ही समस्या पैदा हो गई है। इंग्लैंड में क्रिकेट सीजन शुरू होने से पहले गेंद की कमी हो गई है। इसका कारण अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध है। इंग्लैंड में टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के लिए ड्यूक्स कंपनी की लाल गेंदों का इस्तेमाल होता है। 1760 से गेंद बना रही यह कंपनी इंग्लैंड के क्रिकेट सीजन में चाह हजार से पांच हजार गेंद बनाती है।

लगभग चार दशकों से कंपनी के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा कि युद्ध के कारण सप्लाई-चेन में बाधा ने कंपनी को सीजन की शुरुआत में काउंटी तक वितरण सीमित करने के लिए मजबूर किया है। डेली मेल के अनुसार जाजोदिया ने यह तक कहा दिया कि अगर उन्हें पता होता कि ऐसी दिक्कत होती तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से युद्ध देरी से शुरू करने का आग्रह करते।

दक्षिण एशिया में होती है सिलाई

जाजोदिया ने डेली मेल से कहा, 'अगर मुझे पता होता कि ऐसा होने वाला है, तो मैं डोनाल्ड ट्रंप से बात करता। कृप्या क्रिकेट सत्र शुरू होने से पहले किसी पर हमला मत करना!' ड्यूक्स गेंद ब्रितानी गायों की चमड़ी से बनाई जाती हैं और चेस्टरफील्ड में तैयार की जाती हैं। गेंदों को सिलाई के लिए दक्षिण एशिया भेजा जाता है। फिर ब्रिटेन वापस भेज दिया जाता है। गेंद सिलने के लिए गई है, लेकिन लौटने में दिक्कत हो रही है। यही गेंद की कमी का कारण है। जजोदिया ने कहा, 'इस बकवास खाड़ी युद्ध की वजह से अभी हमारे सामने एक बड़ा संकट है। हमें क्लबों को सीजन की शुरुआत में उनकी 50 प्रतिशत गेंद ही दे पाएंगे और फिर दिक्कत को सुलझना होगा।

न्वेन्या बने सीईओ, मेंस वनडे वर्ल्ड कप के लिए एडवर्ड सीओओ नियुक्त

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए लोकल ऑर्गेनाइजिंग कमिटी (एलओली) ने कोंडिसा न्वेन्या को चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) बनाया गया है, जबकि एडवर्ड खोजा को टूर्नामेंट का चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) नियुक्त किया गया है। शनिवार को इसकी घोषणा की गई। आईसीसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 एलओसी बोर्ड के चेयरमैन ट्रेवर मैनुअल ने एक बयान में कहा, 'हम इस प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए क्रिकेट साउथ अफ्रीका और इन नियुक्तियों को मंजूरी देने के लिए आईसीसी का भी आभार व्यक्त करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम न्वेन्या और एडवर्ड का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। हम इस बड़े स्पोर्ट्स इवेंट को सफलतापूर्वक आयोजित करने में उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं। न्वेन्या और खोजा के पास बड़े इवेंट्स को मैनेज करने का अनुभव है, और स्ट्रेटेजिक प्लानिंग व स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट में उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है।' ये नियुक्तियां एलओली द्वारा सर्वसम्मति से मंजूर की गई एक भर्ती प्रक्रिया के बाद की गई हैं। बोर्ड ने कहा कि दोनों उम्मीदवारों ने टूर्नामेंट की प्लानिंग और ऑपरेशनल डिलीवरी का नेतृत्व करने की क्षमता दिखाई है। मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 अगले वर्ष अक्टूबर से नवंबर के बीच खेला जाएगा, जो मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 का 14वां संस्करण होगा। साउथ अफ्रीका के साथ इसकी मेजबानी नामीबिया और जिम्बाब्वे करेगा। साल 2023 के बाद ऐसा दूसरा बार होगा, जब साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे मिलकर इस प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहे हैं। नामीबिया पहली बार मेंस वनडे वर्ल्ड कप के वेन्यू के तौर पर शामिल होगा।

लॉकी फर्ग्यूसन पर पूर्व खिलाड़ी ने साधा निशाना

'आप 7 मैच के बाद आएंगे, 1 करोड़ लेंगे और चले जाएंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (ढ्वक्र 2026) के शुरुआती दौर में हिस्सा नहीं लेंगे। वह बच्चे की जन्म के बाद अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने फर्ग्यूसन को उनके बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने फर्ग्यूसन की आलोचना की है। चोपड़ा ने कहा कि परिवार को प्राथमिकता देने और उनके साथ समय बिताने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन एक बार जब कोई प्रतिबद्धता जता देता है, तो उसे तोड़ना सही नहीं है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं लॉकी फर्ग्यूसन के बारे में सोच रहा हूं। असल में यह एक गंभीर मामला है। क्या वह घायल हैं... मुझे नहीं पता, वह घायल है या नहीं? मुझे जानकारी है कि वह सात मैचों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वह परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहता हैं। उन्हें बेस प्राइस पर जोड़ा गया था, है ना? 2 करोड़ में खरीदा गया। वह अपनी टीम के लिए खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड के लिए खेल रहे है। फिर वह ब्रेक लेंगे।'

आईपीएल में सात मैच छोड़ रहे हैं

आकाश चोपड़ा ने कहा, 'वह घर जाएंगे और परिवार के साथ समय बिताएगा। यह कोई बुरी बात नहीं है। किसी को लेकर राय न बनाएं। आपको कभी किसी को लेकर राय नहीं बनानी चाहिए। मुझे अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद है। अगर कोई मुझसे छुट्टी लेने के लिए कहता है तो मैं कहता हूं, मैं ले लूंगा, मैं घर पर बैठूंगा। मुझे अपने परिवार से प्यार है। चाहे बच्चे हों, माता-पिता हों, पत्नी हों... सबके साथ समय बिताना चाहूंगा।'

1 करोड़ लेंगे और चले जाएंगे

आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मुझे ऐसा करना पसंद है, लेकिन अगर आपने कोई प्रतिबद्धता जताई है और आप आईपीएल में सात मैच छोड़ रहे हैं तो टीमों को यह समझना होगा कि यह सही नहीं है। क्योंकि आप सात मैच के बाद आएंगे, प्रोराटा बेसिस पर 1 करोड़ लेंगे और चले जाएंगे। क्या मतलब है? तब तक आपकी टीम का सीजन बर्बाद हो चुका होगा।'

परसमनिया और मझगवां के पेयजल समस्या मूलक गांवों का भ्रमण करें

औद्योगिक क्षेत्र कोठी की जमीन का गलत सीमांकन करने पर आर.आई. सस्पेंड

घरेलु गैस की किल्लत नहीं होनी चाहिए, टीएल बैठक में कलेक्टर के निर्देष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीष कुमार एस ने आगामी ग्रीष्मकाल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देष दिये है। उन्होंने कहा कि जल निगम और पीएचई के अधिकारी परसमनिया और मझगवां के पहाड़ी अंचल के ग्रामों का सतत भ्रमण करें और पेयजल की उपलब्धता बनाये रखने के प्रयास करें। घरेलु गैस सिलेण्डर की आपूर्ति और वितरण सुचारू रूप से कराने और जमाखोरी रोकने के लिए जिला आपूर्ति अधिकारी और सभी एसडीएम को डीलर पाइन्टस एवं अन्य स्थानों पर आकस्मिक निरीक्षण करने और डिस्ट्रीब्यूटरों की नियमित बैठक बुलाकर समीक्षा करने के निर्देष दिये। सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, आर.एन. खरे, एलआर जांगडे, सुमेष द्विवेदी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि परसमनिया और चित्रकूट अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या मूलक ग्रामों का एसडीएम, जनपद सीईओ और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी नियमित भ्रमण निरीक्षण करें। सीएम हेल्पलाइन में सतना जिले की 392 घरेलू गैस संबंधी षिकायतें लंबित रहने पर जिला आपूर्ति अधिकारी के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटरों की नियमित अंतराल पर बैठक लेकर आपूर्ति वितरण की समीक्षा करें। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वितरण केन्द्र और खाद्य संस्थानों की आकस्मिक जांच करें। घरेलु गैस के व्यवसायिक उपयोग और जमाखोरी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए विहित प्राधिकारी के समक्ष प्रकरण दर्ज कराये।

औद्योगिक क्षेत्र कोठी के लिए नयागांव में आवंटित 50 एकड़ जमीन में गलत सीमांकन कर निजी व्यक्ति की जमीन निकालने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए तहसीलदार को संबंधित आर.आई. और पटवारी के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव भेजने के निर्देष दिये। बताया गया कि सीमांकन के दौरान पटवारी द्वारा शासकीय भूमि होने संबंधी जानकारी दिये जाने के बावजूद आर.आई. द्वारा किसी निजी व्यक्ति का सीमांकन कर देने पर कलेक्टर ने आर.आई. को निलंबित कर चार्जषीट देने और सीआर में फील्ड में पोस्टिंग नहीं करने की टीप अंकित करने के निर्देष दिये। उद्योग विभाग के अधिकारियों को सीमांकन की सूचना भी नहीं दी गई।

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों के सत्यापन कार्य में तहसील बिरसिंहपुर में जीरो की प्रगति होने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सभी तहसीलदार फार्मर रजिस्ट्री और गेहूं उपार्जन के किसानों के सत्यापन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवें। सीएम हेल्पलाइन में राजस्व विभाग की 1116 षिकायतें लंबित होने पर कलेक्टर ने तहसीलवार समीक्षा कर शीघ्र निराकरण के निर्देष दिये। बिरसिंहपुर तहसील के हर राजस्व कार्य में पिछड़ने पर कलेक्टर ने कहा कि कारण बताओ नोटिस के साथ गोपनीय चरित्रावली में प्रतिकूल टिप्पणी भी दर्ज की जायेगी।

कलेक्टर डॉ. सतीष कुमार एस ने जिले में 14-15 वर्षीय किषोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगाये जा रहे एचपीवी टीकाकरण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सतना जिला 24वें स्थान से 27वें स्थान पर आ गया है। जिले का औसत टीकाकरण भी प्रदेष के औसत से कम है। उन्होंने कहा कि आषा और आषा सहयोगिनी द्वारा टीकाकरण कार्य में सहयोग नहीं किया जा रहा है तो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सेवा समाप्ति की कार्यवाही करे। इसी तरह महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर भी राष्ट्रीय महत्व के टीकाकरण कार्य में सहयोग नहीं करे तो संविदा समाप्ति की कार्यवाही की जाये। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोठी में कमजोर प्रगति पर बीएमओ और संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देष दिये।

चाकू से किए 8 वार, एक आरोपी गिरफ्तार; दूसरा फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हत्या के प्रयास का मामला सामने आया है। कोलगवां थाना पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरा आरोपी अब भी फरार है। 26 फरवरी को धवारी गली नंबर-1 निवासी गंधर्व सिंह (21) बाइक से नए बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में धवारी के ही प्रयास सिंह बघेल और कृष्णकांत गौतम ने उनकी बाइक के सामने गाड़ी लगाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद दोनों ने गंधर्व पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंधर्व की पीठ पर 8 घाव आए और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से भाग निकले। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान कृष्णकांत गौतम (26), निवासी सोनौरा, थाना रामपुर बाघेलान, हाल धवारी गली नंबर-1 को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, दूसरे आरोपी प्रयास सिंह बघेल की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

नवरात्रि मेले में दो बच्चों की तबीयत बिगड़ी, दोनों को सिविल अस्पताल भेजा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता देखने को मिली। मेले में दो बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर स्वास्थ्य टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर चिकित्सा सहायता प्रदान की। मेला प्रभारी डॉ. पीयूष पांडे ने बताया कि पहली घटना में ललितपुर निवासी मोहिनी बबले (15) की तबीयत बिगड़ गई। वह मेला क्षेत्र में दौरे, उल्टी और मानसिक रूप से विचलित अवस्था में मिली।

इलाज के लिए सिविल अस्पताल रेफर किया: सूचना मिलते ही डॉ. सौरभ सिंह तिवारी और डॉ. संतोष कुमार जाटव ने मौके पर पहुंचकर उसे प्राथमिक इलाज दिया। स्थिति नियंत्रित होने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सिविल अस्पताल मैहर रेफर किया गया।

मेला में घायल बच्चे का त्वरित इलाज: दूसरी घटना में सोहावल ब्लॉक के श्रीनगर निवासी 6 वर्षीय अंश अहीरवार मेला क्षेत्र में भीड़ के दौरान गिरकर घायल हो गया। स्वास्थ्य टीम ने तुरंत उसका उपचार किया, जिसके बाद उसकी स्थिति सामान्य हो गई। नवरात्रि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार मुस्तैद है। इसका उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में तत्काल डॉक्टर सहायता उपलब्ध कराना है।

मेयर पर आपत्तिजनक टिप्पणी, आरोपी को भोपाल से पकड़ा; वीडियो वायरल होने के बाद की गई कार्रवाई, चेतावनी देकर नोटिस जारी किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महापौर योगेश ताम्रकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक को पुलिस ने भोपाल से गिरफ्तार कर लिया। कोलगवां थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की। आरोपी से पूछताछ की गई है। मामला 28 जनवरी का है, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में एक युवक ने महापौर के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए आरोपी की पहचान की। आरोपी का नाम योगेश कुशवाहा बताया गया है, जो सीधी जिले के चुरहट क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम भोपाल पहुंची और उसे हिरासत में लिया। रविवार शाम को उसे सतना लाया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को चेतावनी देकर नोटिस जारी किया गया है।

सतना डाइट प्राचार्य के खिलाफ सेवानिवृत्त कर्मचारी भूख हड़ताल पर, भुगतान रोकने और प्रताड़ना के आरोप; कमिश्नर से हटाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के प्राचार्य डॉ. सच्चिदानंद पांडेय की कथित हठधर्मिता के खिलाफ सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। सोमवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी सुरेशचंद्र मिश्रा और प्रदीप त्रिपाठी भूख हड़ताल पर बैठे। उनका आरोप है कि प्राचार्य ने जानबूझकर एक दर्जन से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के भुगतान रोक रखे हैं। इस भूख हड़ताल को कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रितेश त्रिपाठी ने भी अपना समर्थन दिया है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को न्याय दिलाने और डाइट प्राचार्य को तत्काल पद से हटाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्राचार्य के कार्यकाल में सेवानिवृत्त हुए अधिकांश कर्मचारियों को भुगतान नहीं मिला है। सेवानिवृत्त कर्मचारी सुरेशचंद्र मिश्रा ने प्राचार्य पर दुर्व्यवहार और आर्थिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत की है।

आरोप- सेवानिवृत्ति के दिन अपमानित किया: मिश्रा के अनुसार, उनकी सेवानिवृत्ति 31 जनवरी 2026 को हुई थी, लेकिन विदाई कार्यक्रम आयोजित करने के बजाय संस्थान के कमरों में ताला लगा दिया गया और उन्हें अपमानित किया गया। उन्हें अभी तक सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र और जनवरी माह का वेतन सहित अन्य भुगतान नहीं मिला है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी हो रही है। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि प्राचार्य सच्चिदानंद पांडेय को 16 अप्रैल 2024 को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई थी, जो अभी भी लंबित है। आरोप है कि जांच के दौरान कर्मचारियों पर दबाव बनाया जा रहा है और उन्हें प्राचार्य के पक्ष में बयान देने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए प्राचार्य को तत्काल डाइट सतना से हटाया जाए और सभी लंबित भुगतानों का शीघ्र निपटारा किया जाए।

एक दर्जन कर्मचारियों ने कमिश्नर से की शिकायत: डाइट प्रचार्य सच्चिदानंद पांडेय के खिलाफ कमिश्नर रीवा को एक दर्जन कर्मचारियों ने लिखित आवेदन दिया है। दो साल पहले रिटायर हुईं प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी अंजना श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि उनके स्वयत्तों का भुगतान अभी तक नहीं किया गया। इसके भी तमाम कर्मचारी प्रताडित महसूस कर रहे हैं।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज कोटर में

सतना (निप्र)। शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 30 मार्च 2026 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 24 मार्च को नगर परिषद एवं जनपद पंचायत कोटर, 25 मार्च को नगर परिषद एवं जनपद पंचायत बिरसिंहपुर, 26 मार्च को नगर परिषद एवं जनपद पंचायत कोठी तथा 30 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

मैहर में डायल 112 वाहन रास्ते में बंद, ग्रामीणों ने धक्का लगाकर आगे बढ़ाया; डीजल की कमी के कारण रुका

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले में पुलिस की डायल 112 सेवा से जुड़ा एक मामला सामने आया है। अमरपाटन थाना क्षेत्र में इवेंट ड्यूटी पर गई डायल 112 की गाड़ी (पीएम04 डब्ल्यूआर1950) सुआ गांव के पास रास्ते में बंद हो गई। इसके बाद वाहन को आगे बढ़ाने के लिए चालक को ग्रामीणों से मदद लेनी पड़ी और उन्होंने धक्का लगाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी अचानक सड़क के बीच में रुक गई। धक्का लगाने वाले कुछ ग्रामीणों ने बताया कि वाहन में डीजल की कमी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई, जबकि चालक ने इसे तकनीकी खराबी बताया है।

ग्रामीणों ने वाहन को धक्का देकर आगे बढ़ाया: गाड़ी बंद होने पर चालक ने आसपास मौजूद ग्रामीणों से मदद मांगी। ग्रामीणों के सहयोग से वाहन को धक्का देकर आगे बढ़ाया गया। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के सामने आने के बाद लोगों ने पुलिस की आपातकालीन सेवा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, इस मामले में अभी तक पुलिस विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पेप्टेक सिटी विवाद, 8 पर हत्या के प्रयास का केस; पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की पेप्टेक सिटी कॉलोनी में रविवार दोपहर पुराने आर्थिक विवाद के चलते गौरव सिंह उर्फ गोलू (35) पर रघुराज उर्फ रघू और उसके सात साथियों ने मिलकर फायरिंग की और बाद में बंदूक की बट से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने आठ नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है और सभी की तलाश जारी है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई घटना: यह पूरी घटना सिविल लाइन थाना अंतर्गत पेप्टेक सिटी कॉलोनी में रविवार को हुई, जहां दिनदहाड़े हुए इस हमले से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस के अनुसार, गौरव सिंह उर्फ गोलू, निवासी छींदा (हाल पेप्टेक सिटी कॉलोनी) और रघुराज उर्फ रघू के बीच आर्थिक लेनदेन और अन्य बातों को लेकर पहले से विवाद चल रहा था।

आरोपियों ने घेरकर किया हमला: रविवार दोपहर इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोपी रघुराज अपने साथियों रूदन सिंह, डब्बू सिंह, कान्हा सिंह, वैभव सिंह, छंगू सिंह, लिटिल उर्फ दीपराज सिंह और ड्राइवर ओमकार के साथ कॉलोनी में पहुंचा और गौरव को घेर लिया।

गोली चलाई, बाल-बाल बचा युवक: आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए बंदूक से फायरिंग की, जिसमें गौरव सिंह बाल-बाल बच गए। गोली चलने से कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई। फायरिंग के बाद आरोपियों ने गौरव पर बंदूक की बट से हमला कर दिया, जिससे उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए।

घायल को रीवा रेफर किया गया: घायल गौरव को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें रात में रीवा रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल का बयान दर्ज किया। साथ ही घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले गए।

आंगनवाड़ी में 24 को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम होगा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्राथमिक शाला में सहज रूप से स्थानांतरित करने एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आंगनवाड़ी केन्द्रों में 24 मार्च को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस पहल के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों द्वारा दी जा रही प्रारंभिक शिक्षा की महत्ता को रेखांकित किया जायेगा तथा समुदाय में इन केन्द्रों को एक प्रामाणिक शैक्षणिक आधार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। इससे अभिभावकों को भी अपने बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी केन्द्र मे भेजने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

मैहर जिले के सभी 980 आंगनवाड़ी केन्द्रों में चतुर्थ मंगलवार 24 मार्च 2026 को बाल चौपाल के अवसर पर उन बच्चों की ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित की जायेगी, जिन्होंने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा पूर्ण कर ली है तथा अब विद्यालय में प्रवेश के लिए पात्र है। इस अवसर पर बच्चों को विधिवत विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए जायेंगे। कार्यक्रम मे स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, प्राथमिक शाला के शिक्षकों तथा सहयोगी संस्थाओं को आमंत्रित किया जायेगा। ताकि इस पहल को सामुदायिक सहभागिता के साथ सफल बनाया जा सकें।

9041 बच्चों को देंगे प्रमाण पत्र: जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजेन्द्र बांगरे ने बताया कि जिले मे 9041 बच्चे 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के हैं। जिन्हें इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रमाण पत्र वितरित किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल बच्चों के विद्यालय प्रवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और विभाग को भी प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान प्राप्त होगी।

तेज रफ्तार बाइक पिलर से टकराई, युवक की मौत :अस्पताल ले जाने पर तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में रविवार रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पिलर से टकरा गई, जिससे युवक को सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान संदीप साकेत (21) पुत्र रामाधार साकेत, निवासी नई बस्ती-बदेरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संदीप रविवार रात बाइक (एमपी19,जेडबी 0602) से कहीं जा रहा था।

अनियंत्रित बाइक पिलर से टकराई, युवक की मौत: इसी दौरान गोरसरी और मड़वार गांव के बीच उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक पिलर से जा टकराई। घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक सूर्यभान सिंह और पायलट रामधनी कुशवाहा ने युवक को तत्काल एफआरवी वाहन से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल की मर्चुरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दे दी है। फिलहाल, पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।